RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2022-2024 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

DPR No. N-193
www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 12 JULY TO 18 JULY 2023 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 08 ■ अंक 43 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

फर्जी बिल बनाने वालों की GSTN से खुल जाएगी पूरी कुंडली Page 3

भारत को लेकर आई इस रिपोर्ट से यूएस से जर्मनी तक हलचल Page 4

2 रुपये में हनुमान चालीसा देने वाली गीता प्रेस की 100 साल की यात्रा Page 5

editoria!

एआइ और नौकरियां

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआइ के इस्तेमाल को लेकर जतायी जाने वाली चिंताओं में सबसे बड़ी चिंता नौकरियों को लेकर है. ऐसी आशंका जतायी जाती है कि एआइ के आने से लोगों की नौकरियां चली जायेंगी. इंसानों का काम एआइ कर देगा. चिंता सारी दुनिया में है, मगर भारत जैसे देश में यह चिंता कुछ और ज्यादा है. भारत में पहले से ही बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा रही है. ऐसे में यदि एआइ ने लोगों की नौकरियां खानी शुरू कर दीं, तो समस्या और विकट हो जायेगी, मगर केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने इन तमाम चिंताओं को खारिज करते हुए इन्हें 'बकवास' बताया है. उन्होंने दलील दी है कि 1999 के वर्ष में भी वाइ2 के को लेकर नौकरियों के बारे में इसी तरह का डर दिखाया गया था. केंद्रीय मंत्री ने जिस पुरानी घटना का जिक्र किया है, वह पिछली सदी के आखिरी वर्ष में एक चर्चित मुद्दा था. तब चिंता जतायी जा रही थी कि 31 दिसंबर, 1999 के बाद जब नयी सदी, वर्ष 2000 यानी वाइ 2 के, शुरू होगी, तो तकनीकी कारणों से बहुत सारे कंप्यूटर चलना बंद कर देंगे, मगर यह डर निर्मूल साबित हुआ. इससे पहले भी, भारत में जब पिछली सदी में 80 और 90 के दशक में कंप्यूटर के इस्तेमाल ने जोर पकड़ा था, तो यह चिंता जतायी गयी थी कि कंप्यूटर नौकरियां छीन लेंगे, लेकिन पिछली सदी के जिस भारत में कंप्यूटर के इस्तेमाल को लेकर आशंकाएं थीं, आज सूचना प्रौद्योगिकी की दुनिया में उसी भारत का डंका बजता है. कंप्यूटर ने लोगों की दुनिया बदल दी है. इसने भारत में उन लोगों की जिंदगी को भी प्रभावित किया है, जो इसका विरोध करते थे. मशीनों के इस्तेमाल के समय भी कुछ ऐसी ही चिंता जतायी जाती थी. आजादी के दस साल बाद बनी क्लासिक फिल्म 'नया दौर' काविषय भी इंसान और मशीन के बीच का संघर्ष था. परिवर्तन एक शाश्वत सत्य है, मगर उसका सीधे विरोध करने की जगह उस परिस्थिति को ठीक से समझना और उसके अनुकूल कदम उठाना चाहिए. दुनिया के सारे तकनीकी जानकारों की राय है कि एआइ तकनीक न केवल पैर जमायेगी, बल्कि आने वाले वर्षों में मजबूती से पैर फैलाती जायेगी. ऐसे में, दुनिया की दिग्गज बहुराष्ट्रीय कंपनियों से बड़ी तादाद में लोगों की नौकरियां जाने की खबरें आती हैं, तो उनसे चिंता होनी स्वाभाविक है. ऐसी चिंताओं को अतीत के उदाहरणों के आधार पर खारिज करना गलत नहीं है, लेकिन इसके साथ ही एआइ को लेकर एक स्पष्ट तस्वीर पेश की जानी चाहिए, ताकि बदलाव को भय और संदेह के बजाय आशा और चुनौती के साथ स्वीकार किया जा सके.

जीएसटी दर बढ़ाए जाने से ऑनलाइन गेमिंग कंपनियां मुश्किल में

28%बढ़ोत्तरी पर इंडस्ट्री की तीखी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

जीएसटी काउंसिल ने ऑनलाइन गेमिंग पर जीएसटी दर बढ़ाते हुए 28 फीसदी लागू कर दी है. इससे ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है। फैसले को लेकर इंडस्ट्री के स्टेकहोल्डर्स ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि यह असंवैधानिक और तर्कहीन है। इस कदम को इंडस्ट्री को खत्म करने के साथ ही जॉब खत्म हो जाएंगी। इंड्स्ट्री लीडर्स ने जीएसटी परिषद और सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है।

ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री के स्टेहोल्डर्स ने मंगलवार को गेमिंग के पूर्ण मूल्य पर 28% जीएसटी को असंवैधानिक, तर्कहीन बताते हुए कहा कि यह कदम देश में कुशल ऑनलाइन गेमिंग सेक्टर को खत्म कर देगा। बता दें कि बीते दिन 50वीं जीएसटी काउंसिल की बैठक में हॉर्स रेस और कैसीनो के साथ-साथ ऑनलाइन गेमिंग पर 28% जीएसटी लगाने की घोषणा की गई है।

ऑल इंडिया गेमिंग फेडरेशन के सीईओ रोलैंड लैंडर्स ने कहा कि यह निर्णय 60 वर्षों से अधिक के स्थापित कानूनी न्याय की अनदेखी करता है और सट्टा गतिविधियों के साथ ऑनलाइन स्किल गेमिंग को जोड़ देता है। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि जीएसटी परिषद का यह निर्णय असंवैधानिक, तर्कहीन है। यह निर्णय पूरे भारतीय गेमिंग उद्योग को खत्म कर देगा और लाखों लोगों की नौकरी चली जाएगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन फैंटेसी स्पोर्ट्स (इफ्इए) के महानिदेशक जॉय भट्टाचार्य ने कहा कि वे निराश हैं कि जीएसटी परिषद और अधिकारियों ने पुरस्कार राशि सहित कुल एंट्री अमाउंट पर 28% जीएसटी लागू करने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि कुल रिटर्न पर टैक्स के मूल्यांकन में बदलाव से इंडस्ट्री को भारी क्षति होगी। लाखों कुशल इंजीनियरों के लिए रोजगार का नुकसान होगा। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि यह निर्णय यूजर्स को अवैध सट्टेबाजी प्लेटफार्मों पर ट्रांसफर कर देगा, जिससे यूजर्स का जोखिम बढ़ेगा और सरकार को राजस्व का नुकसान होगा।

इंडियाप्लेज के सीओओ आदित्य शाह ने कहा कि 28% टैक्स की दर गेमिंग इंडस्ट्री के लिए चुनौतियां लाएगी। यह हायर टैक्स का बोझ कंपनियों के कैश फ्लो को प्रभावित करेगा, जिससे इनोवेशन, रिसर्च और बिजेनेस विस्तार में निवेश की उनकी क्षमता सीमित हो जाएगी। स्किल्ड बेस्ड गेम और कैसीनो या सट्टेबाजी ऐप्स के बीच बारीक लाइन है और उनके साथ एक जैसा व्यवहार नहीं किया जाना चाहिए रास्ता।

सिनेमाहॉल में फूड प्रोडक्ट सस्ते होंगे

उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि 18% टैक्स की दर गेमिंग इंडस्ट्री के लिए मददगार होती। गेम्सक्राफ्ट के संस्थापकों के मुख्य रणनीति सलाहकार अमृत किरण सिंह के अनुसार किसी को यह याद रखना चाहिए कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री ने 2 लाख से अधिक नौकरियां पैदा की हैं। उन्होंने कहा कि यह कदम भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम के लिए बड़ा झटका है। इंड्स्ट्री लीडर्स ने जीएसटी परिषद और सरकार से इस फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया है।

शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपये में तेजी, 16 पैसे की हुई बढ़त

नई दिल्ली। एजेंसी

डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में बुधवार को तेजी का रुझान देखने को मिल रहा है। इस कारण शुरुआती कारोबार में ही डॉलर के मुकाबले रुपया 16 पैसे चढ़कर 82.25 रुपये पर था। अमेरिकी मुद्रा में कमजोरी की वजह डॉलर इंडेक्स की कमजोरी और विदेशी निवेशकों की ओर से भारतीय शेयर बाजार में किया जा रहा निवेश माना जा रहा है। हालांकि, कच्चे तेल की कीमत में तेजी अभी भी चिंता का विषय बनी हुई है और इस वजह से डॉलर के मुकाबले रुपये में बढ़त सीमित बनी हुई है। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज के मुताबिक, डॉलर के मुकाबले रुपया 82.29 पर खुला था और इस दौरान शुरुआती कारोबार में ही ये 82.25 पर पहुंच गया। इस तरह डॉलर के मुकाबले रुपये में 16 पैसे की तेजी देखने को मिली। मंगलवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 82.41 पर खुला था।

डॉलर में कमजोरी की वजह एफआईआई का भारतीय बाजार में लगातार निवेश करना है। फॉरेक्स ट्रेडर्स का कहना है कि कच्चे तेल में आ रही तेजी रुपये के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। डॉलर इंडेक्स में आज कमजोरी बनी हुई है और 0.30 प्रतिशत गिरकर 101.42 पर कारोबार कर रहा है। ब्रेंट क्रूड फ्यूचर्स का दाम 0.20 प्रतिशत बढ़कर 79.56 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ है। सेंसेक्स 40.49 अंक या 0.06 प्रतिशत बढ़कर 65,658.33 अंक और निफ्टी 5.80 अंक या 0.03 प्रतिशत बढ़कर 19,445.20 अंक पर कारोबार कर रहा है। एफआईआई की ओर से मंगलवार को 1,197.38 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे गए थे। सरकारी बैंक, फिन सर्विस, फार्मा, एफएमसीजी, मीडिया, एनर्जी, इन्फ्रा और हेल्थकेयर इंडेक्स में तेजी है, जबकि ऑटो, आईटी, मेटल और रियल्टी अन्य इंडेक्स पर दबाव देखा जा रहा है।

अधिक बारिश का साइड इफेक्ट, फसलों के नुकसान ने बढ़ाई महंगाई की चिंता

नई दिल्ली। एजेंसी

आने वाले दिनों में हिमाचल प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में तेज बारिश का दौर काफी कम होने की उम्मीद है। वहीं, एक्सपर्ट्स का मानना है कि पिछले दिनों हुई बारिश ने देश के उत्तर-पश्चिमी राज्यों में पहले से ही बोई जा चुकी खरीफ फसलों को काफी नुकसान पहुंचाया है। एक रिपोर्ट में एक्सपर्ट्स के हवाले बताया गया है कि मूंग, उड़द, मूंगफली और सोयाबीन की फसलों को 10-15% तक नुकसान हो सकता है। ऐसे में अब इन वस्तुओं की कीमतों में अच्छी खासी तेजी आने की चिंता सताने लगी है। हालांकि, बारिश से पंजाब और हरियाणा में धान की फसल को मदद मिल सकती है। कमोडिटी रिसर्च फर्म आईग्रेन इंडिया के राहुल चौहान ने कहा, 'अत्यधिक बारिश के कारण उत्तरी राज्यों में कपास, दलहन और तिलहन जैसी खरीफ फसलों को नुकसान हुआ है।' घ्श्ऊ के अनुसार, उत्तर पश्चिम में जहां राजस्थान में 10 जुलाई तक लंबी अवधि के औसत से लगभग 60% अधिक बारिश हुई है, वहीं गुजरात में 15% अधिक बारिश हुई है। जून की शुरुआत में चक्रवात बिपरजॉय के कारण गुजरात और राजस्थान में बारिश हुई, जिससे खरीफ सीजन की बुआई जल्दी शुरू हो गई थी। हाल की भारी बारिश से उन पौधों को नुकसान हो सकता है जिनकी हाल में बुआई में की गई थी।

भारत की नकल करना पाकिस्तान को पड़ा भारी

मुसीबत बना रूस का सस्ता तेल, खटाई में पड़ी डील

एजेंसी

भारत की नकल करके रूस से सस्ता तेल खरीदने का फैसला पाकिस्तान की सरकार के लिए मुसीबत बन गया है। आलम यह है कि सस्ता होने के बाद भी पाकिस्तान अपनी जनता को सस्ता तेल नहीं दे पा रहा है। दरअसल, पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान में वर्तमान समय में मौजूद सभी रिफाइनरी पुरानी प्रोसिसिंग तकनीक पर काम करती हैं। इसकी वजह से ये पाकिस्तानी रिफाइनरी प्रोसिसिंग के दौरान डीजल और पेट्रोल की बजाय फर्नेस ऑयल ज्यादा निकाल रही हैं। पाकिस्तान में फर्नेस ऑयल की कोई डिमांड नहीं है और यह उसके लिए मुसीबत बन गया है। पाकिस्तान के पास 5 तेल रिफाइनरी हैं जिसमें से एक की स्थापना आजादी के पहले हुई थी। वहीं दो तेल रिफाइनरी की स्थापना 60 साल पहले हुई थी। वहीं दो अन्य तेल रिफाइनरी में से एक में पुरानी तकनीक है और दूसरी रिफाइनरी जिसमें सरकार की 60 फीसदी हिस्सेदारी है, वहां कई दशकों से नया निवेश नहीं हुआ है। पाकिस्तान ने पिछले महीने रूस से सस्ता तेल खरीदा था। इस सस्ते तेल के बाद भी वह इसका फायदा पाकिस्तानी जनता को जनता को नहीं दे पाया है।

कंगाल पाकिस्तान को खर्च करने होंगे अरबों डॉलर

एक न्यूज चैनल के मुताबिक पाकिस्तान रिफाइनरी लिमिटेड जो तेल साफ करती है, उसमें फर्नेस

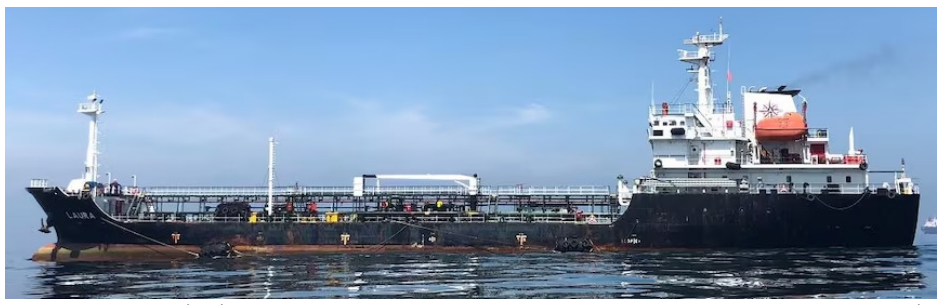

तेल ज्यादा निकलता है और पेट्रोल तथा डीजल कम रहता है। रिपोर्ट में इस सेक्टर से जुड़े लोगों के हवाले से कहा गया है कि अगर सरकारी कंपनी ऐसा करेगी तो दूसरी रिफानरी भी रूसी तेल के साथ वही करेंगी क्योंकि उनके पास भी पुरानी तकनीक है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तानी रूसी तेल का फायदा उठाना चाहता है तो उसे अपने रिफाइनिंग सेक्टर को अपग्रेड करना होगा और इसके लिए उसे रिफाइनिंग पॉलिसी को स्वीकृति देनी होगी।

पाकिस्तान के रूसी तेल से भारत के बिचौलियों ने की लाखों डॉलर की कमाई!

कंगाल पाकिस्तान को इसके लिए 4 से 5 अरब डॉलर का निवेश हासिल करना होगा और सभी वर्तमान रिफाइनरियों को अपग्रेड करना होगा। पाकिस्तान इस समय भयंकर महंगाई से जूझ रहा है। पेट्रोल और डीजल के दाम रेकॉर्ड स्तर पर चल रहे हैं। डॉलर के मुकाबले पाकिस्तानी रुपये में भारी गिरावट आई है जिससे तेल और भी महंगा होता जा रहा है। पाकिस्तान ने रूस से सस्ते तेल के लिए चीनी मुद्रा युआन में रूस को भुगतान किया है लेकिन इसके लिए भी उसे डॉलर खर्च करना पड़ा है।

रूस के साथ पाकिस्तान का तेल समझौता खटाई में

पाकिस्तान को उम्मीद थी कि वह भी रूस से तेल लेकर भारत की तरह से लोगों को सस्ता तेल मुहैया करा पाएगा लेकिन अब उसकी उम्मीदों पर पानी फिर गया है। इस बीच एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान और रूस के बीच लंबे समय के लिए तेल समझौता होना अब संभव नहीं दिख रहा है। दोनों पक्षों के बीच बातचीत में बाधा आ गई है। पाकिस्तान को रूस के साथ मिलकर एक तंत्र विकसित करना था ताकि रूसी तेल को मंगाया जा सके लेकिन अभी तक शहबाज सरकार ने इसे शुरू नहीं किया है। वह भी तब जब शहबाज सरकार के पास बहुत कम समय बचा है और देश में इस साल चुनाव होने हैं।

63 अरब डॉलर के बाजार पर नजर चिप मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने को बेकरार फॉक्सकॉन को नए पार्टनर की तलाश

नई दिल्ली। एजेंसी

वेदांता के साथ सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का करार तोड़ने के बाद फॉक्सकॉन ने कहा कि वह भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग पॉलिसी के तहत इन्सेंटिव पाने के लिए अप्लाई करने वाली है। इसका मतलब है कि फॉक्सकॉन ने बेशक वेंदाता से अपनी राह अलग कर ली है मगर वह भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने का इरादा रखती है। ताइवान की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग कंपनी फॉक्सकॉन ने कहा कि उसकी भारत में सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट लगाने के लिए अलग से आवेदन करने की योजना है। कंपनी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि वह सेमीकंडक्टर के संशोधित कार्यक्रम और डिस्प्ले फैब इकोसिस्टम के लिए आवेदन करने पर काम कर रही है। कंपनी ने कहा 'हम इसके लिए अधिक अनुकूल भागीदार चाहते हैं।' सूत्रों का कहना है कि फॉक्सकॉन, इस बारे में जिन बिजनेस ग्रुप से पार्टनरशिप के लिए बातचीत कर रही है, उसमें टाटा ग्रुप भी शामिल है। यह भी कहा जा रहा है कि सरकार भी चाहती है कि इस बड़े निवेश वाले करार में उस ग्रुप के साथ पार्टनरशिप हो, जिसका इस सेक्टर में अनुभव है। गौरतलब है कि फॉक्सकॉन ने सोमवार को कहा था कि वह अनिल अग्रवाल की अगुवाई वाली वेदांता लि. के साथ 19.5 अरब डॉलर के संयुक्त उद्यम से बाहर निकल रही है। गौरतलब है कि साल 2026 तक भारत में सेमकंडक्टर का बाजार 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा। ऐसे में ताइवान की चिप मैन्युफैक्चरिंग कंपनी की उप पर नजर है।

एक्सपोर्ट के साथ निवेश बढ़ाने के लिए सरकार ने बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल इकॉनमी में सुस्ती गहराने की खबरों के बीच भारत ने एक्सपोर्ट के साथ निवेश बढ़ाने पर नए सिरे से काम करना शुरू कर दिया है। कॉमर्स मिनिस्ट्री ने इस बारे में एक विस्तृत योजना तैयार की है। इसके तहत एक्सपोर्ट और निवेश बढ़ाने के लिए अमेरिका और ब्रिटेन सहित 12 देशों की पहचान की गई है। अब इन 12 देशों के मार्केट की नए सिरे से स्टडी की जाएगी। यह देखा जाएगा कि किन-किन वस्तुओं का कारोबार इन देशों के साथ बढ़ाया जा सकता है। यह भी देखा जाएगा किन वस्तुओं

इकोनॉमी को बूस्ट करने पर जोर

को भारत आसानी से इन देशों को एक्सोर्ट कर सकता है। इसके एवज में इन देशों को भारत में निवेश करना आसान बनाया जाएगा। इनको निवेश करने पर विशेष राहत भी दी जाएगी। केंद्र का कहना है कि अगर एक्सपोर्ट और निवेश में तेजी रही तो इकॉनमी मजबूत होगी, नौकरियां भी मार्केट में ज्यादा आएंगी।

सूत्रों के अनुसार इस रणनीति के पीछे एक ही लक्ष्य है कि ग्लोबल स्लोडाउन का असर भारत की इकॉनमी, निर्यात और निवेश पर, जितना हो सके, कम किया जा सके। एक सीनियर अधिकारी के अनुसार योजना की लिस्ट में 12 प्राथमिकता वाले देशों - अमेरिका, ब्राजील, कनाडा, संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, ब्रिटेन, जर्मनी, स्वीडन, जापान, ताइवान, दक्षिण कोरिया और रूस का नाम है। योजना के हिस्से के रूप में, मंत्रालय विभिन्न देशों में रोड शो आयोजित करेगा, जिसमें निवेश और व्यापार बढ़ाने के कार्यक्रम शामिल होंगे। इंडस्ट्री और निर्यातकों को भारत में विश्व स्तरीय प्रदर्शनियां आयोजित करने और इन 12 देशों में आयोजित होने वाले मेलों में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाएगा।

एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि यह एक्सरसाइज व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए दोनों विभागों के ठोस प्रयास का हिस्सा है। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीने से एक्सपोर्ट में काफी उतार-चढ़ाव का रुख है। कभी एक्सपोर्ट घट जाता है तो कभी बढ़ जाता है। यही हाल विदेशी निवेश का है, जिसका असर सीधे तौर पर विदेशी करंसी पर देखा जा सकता है।

एमपीएसएसआईओ डॉ. अनिल खरया इंदौर क्षेत्र के उपाध्यक्ष बने

इंदौर। डॉ. अनिल खरया की उल्लेखनीय उपलब्धियाँ और अपने क्षेत्र के प्रति समर्पण के कारण एमपीएसएसआईओ इंदौर क्षेत्र के उपाध्यक्ष बनाए गए हैं । आप मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंडस्ट्रीज एंड इंस्टीट्यूशंस के अध्यक्ष और सीएमडी हैं। डॉ. खरया को इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए एमपीएसएसआईओ इंदौर क्षेत्र के सभी अधिकारियों, अरूण खरया, श्रीमती बसंतीदेवी खरया, मॉडर्न एवं नंदनी फार्मा के सभी अधिकारी, आईपीए के समस्त अधिकारी एवं डॉ. पुनीत द्विवेदी (समूह निदेशक-मॉडर्न ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स) ने बधाई दी है। डॉ. खरिया ने फार्मा एवं स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने मॉडर्न लेबोरेटरीज और नंदनी मेडिकल लैब्स प्राइवेट लिमिटेड की सफलता का मार्ग प्रशस्त किया है। वर्तमान में इंडियन फार्मास्युटिकल एसोसिएशन (आईपीए) मध्य प्रदेश चैप्टर के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत डॉ. खरया का मध्यप्रदेश स्माल स्केल इंडस्ट्रीज ऑर्गनाइजेशन (एमपीएसएसआईओ) इंदौर क्षेत्र के उपाध्यक्ष के रूप में चुनाव उन्हें संगठन को उसके लक्ष्यों की प्राप्ति की ओर ले जाने की अनुमति है ।

अब बांग्लादेश में चलेगा भारत का सिक्का

रुपये में होगा कारोबार, डॉलर का छोड़ने जा रहा साथ

नई दिल्ली। एजेंसी

ग्लोबल करेंसी में डॉलर का कई दशकों से दबदबा है, लेकिन इससे कई देशों को अब परेशानी होने लगी है। इसके लिए ये देश अब नए रास्तों की खोज कर रहे हैं। डॉलर को अब चुनौती मिल रही है। भारत का एक पड़ोसी देश जल्द ही डॉलर को छोड़ने की तैयारी कर रहा है। यह देश डॉलर की जगह भारतीय रुपये को अपनाने की तैयारी कर रहा है। डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए यह देश भारतीय रुपये को अपनाएगा। पड़ोसी मुल्क बांग्लादेश यह कदम उठाने जा रहा है। इससे भारत और बांग्लादेश दोनों को फायदा होगा। दोनों की क्रॉस बॉर्डर लेनदेन की लागत कम हो जाएगी। बांग्लादेश ने यह फैसला यूं ही नहीं किया है। दरअसल बांग्लादेश द्वारा विदेशी मुद्रा भंडार पर बोझ को कम करने के लिए यह फैसला लिया गया है। मौजूदा समय में भारत और बंगलादेश के बीच होने वाला विदेशी व्यापार डॉलर में ही होता है।

बांग्लदेश के बैंकों ने खोले खाते

एक खबर के मुताबिक, बांग्लादेश के 2 बैंक भारतीय रुपये में व्यापारिक लेन-देन की योजना बना रहे हैं। बांग्लादेश के ईस्टर्न बैंक ने इसके लिए स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और आईसीआईसीआई बैंक में नोस्ट्रो अकाउंट भी खोल लिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, ईस्टर्न बैंक इस संबंध में 11 जुलाई को ऐलान कर सकता है। इसी तरह बांग्लादेश का सरकारी बैंक सोनाली बैंक भी इसी तरह की सेवा देने की तैयारी में है। बता दें कि नोस्ट्रो अकाउंट उस खाते को कहते हैं, जो एक बैंक किसी दूसरे देश के बैंक में वहां की मुद्रा में खोलता है। इस तरह के खातों का उपयोग विदेशी व्यापार करने के लिए किया जाता है।

इस वजह से किया फैसला

दरअसल रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद बंगलादेश लगातार डॉलर की कमी का सामना कर रहा है। इस कारण उसका विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर सात साल के निचले स्तर 31.60 अरब डॉलर को छू गया है। इस कारण बंगलादेश की मुद्रा भी लगातार गिरती जा रही है। बांग्लादेश चीन के बाद भारत से सबसे ज्यादा आयात करता है। इसी वजह से बांग्लादेश ने यह कदम उठाने का फैसला किया है।

पीवीआर आइनॉक्स ने खाद्य सेवाओं की क़ीमतों का बदला स्वरूप

एफएंडबी पर नए ऑफर्स, कॉम्बो पैक लांच

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की सबसे बड़ी मल्टीप्लेक्स चेन पीवीआर आईनॉक्स लिमिटेड ने दर्शकों की नब्ज को पहचानते हुए और उनकी जरूरतों को पूरा करने के लिए, फूड और बेवरेज (एफएंडबी) पर आकर्षक ऑफर्स दिए हैं। इस ऑफर का लाभ देश भर में पीवीआर आइनॉक्स के सिनेमाहॉलों में उठाया जा सकता है। घोषणा का उद्देश्य दर्शकों के सिनेमा का मजा लेने के अनुभव को और बेहतरीन बनाना है। शुरू हो रहे इस ऑफर के साथ, फिल्म देखने वाले दर्शक हॉट डॉग्स से लेकर बर्गर्स, पॉपकॉर्न और सैंडविचेज और तरह-तरह के सॉफ्ट ड्रिंक्स का मजा सिर्फ 99 रुपये से सोमवार से गुरुवार 9 बजे सुबह से शाम 6 बजे तक ले सकते हैं। फिल्म देखने के शौकीन लोग, जो वीकेंड में फिल्म देखने की योजना बनाते हैं, अब बॉटमलेस पॉपकॉर्न ले सकते हैं, जिसमें वह अनिलिमिटेड टब रिफिल करा सकते हैं। इसके साथ ही आकर्षक दाम पर फैमिली मील कॉम्बो भी ले सकते हैं। इससे उनका एफएंडबी का खर्च 40 फीसदी तक कम हो जाएगा।

पीवीआर आइनॉक्स लिमिटेड के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर श्री संजीव कुमार बिजली ने कहा, 'दर्शकों की जरूरत का ख्याल रखकर ही सिनेमा चेन को बेहतर ढंग से चलाया जा सकता है। हमारी सभी कोशिशें अपने दर्शकों की हर जरूरत को पूरा करने की होती है। फिल्म देखने के लिए पीवीआर आइनॉक्स आने वाले दर्शकों को हम फिल्म देखने का बेमिसाल अनुभव मुहैया कराना चाहते हैं। अपने फूड एंड बेवरेज का दाम निर्धारित करने की रणनीति पर हमने सक्रिय रूप से दर्शकों के विचारों को सुना। इसके बाद हमने एफएंडबी प्रॉडक्ट्स के काफी किफायती दाम रखे हैं, जो फिल्म देखने के शौकीन लोगों को पसंद आएंगे। इससे उनकी महंगे प्रॉडक्ट्स खरीदने संबंधी चिंताएं भी दूर होंगी।'

उन्होंने कहा, 'हमारे विलय ने हमें दुनिया के टॉप सिनेमा में जगह दिलाई है। यह हमें एक बड़ा कैनवास प्रदान करता है। इससे हमें देश भर के दर्शकों की जरूरत को पूरा करने की इजाजत मिलेगी और हम दर्शकों को बेहतरीन ऑफर दे सकेंगे। हमें पूरा विश्वास है कि हमारे सुधारे गए पैकेज वीकडेज में छोटे ग्रुप में सिनेमा देखने जाने वालों को आकर्षित करेंगे। इसके अलावा यह पैकेज वीकेंड में बड़े ग्रुप और परिवार के साथ फिल्म देखने जाने वालों को भी पसंद आएगा। इससे उनकी जरूरतें पूरी होंगी।

डॉ. रेड्डीज़ ने एडब्लूएस को अपना प्रिफर्ड क्लाउड प्रदाता बनाया

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेज़ॉन कॉम कंपनी, अमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ ने घोषणा की है कि हैदराबाद स्थित भारतीय बहुराष्ट्रीय फार्मास्युटिकल कंपनी, डॉ. रेड्डीज़ लैबोरेटरीज़ लिमिटेड ने किफायती और इनोवेटिव दवाईयाँ उपलब्ध कराने में मदद करने के लिए एडब्लूएस को अपना प्रिफर्ड क्लाउड प्रदाता बनाया है। इस गठबंधन के तहत कंपनी ने अपना एसएपी प्लेटफॉर्म पूरी तरह से एडब्लूएस पर स्थानांतरित कर लिया है। अपने प्लेटफॉर्म को दुनिया के अग्रणी क्लाउड पर केंद्रीकृत करके डॉ. रेड्डीज़ नई हैल्थकेयर एप्लीकेशंस के विकास में तेजी लाएगा, संगठनों को 2030 तक दुनिया में 1.5 बिलियन से ज्यादा मरीजों को सेवाएं देने में मदद करने के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म का विकास करेगा, और हैल्थकेयर प्रदाताओं को मरीजों की प्रगति का बेहतर ट्रैक रखने में समर्थ बनाएगा।

अमेज़ॉन वेब सर्विसेज़ इंडिया प्राईवेट लिमिटेड में डायरेक्टर, एडब्लूएस इंडिया एवं साउथ एशिया, वैशाली कस्तूरी ने कहा विश्व में हैल्थकेयर के ग्राहकों को सेवा देने में एडब्लूएस की प्रमाणित विषेशज्ञता और हमारी विस्तृत क्लाउड टेक्नॉलॉजी एवं वैश्विक ढांचे ने डॉ. रेड्डीज़ को ग्राहक और मरीज के लिए एक खास अनुभव का निर्माण करने में समर्थ बनाया है और उनके आईटी ऑपरेशंस के पर्यावरण पर फुटप्रिंट को कम करने में मदद की है।'' उन्होंने कहा, ग्राहक को सेवा देने के लिए तत्पर रहने की हमारी साझा संस्कृति डॉ. रेड्डीज़ को हैल्थकेयर में केयर डिलीवरी को अगले आयाम में ले जाने में मदद करेगी।

डॉ. रेड्डीज़ में चीफ इन्फॉर्मेशन और डिजिटल ऑफिसर, मुकेश राठी ने कहा एडब्लूएस के साथ काम करते हुए हमें सर्वश्रेष्ठ टेक्नोलॉजी इनोवेषन मिलता है, जिससे हमें लगभग 70 देषों में मरीजों को किफायती हैल्थकेयर प्रदान करने में समर्थ बने हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''एडब्लूएस की विष्वसनीयता से हमें उच्च गुणवत्ता के डिजिटल उत्पादों की आपूर्ति में तेजी लाने, कस्टमर सर्विस में परिवर्तन लाने, और अपनी सप्लाई चेन को हरित बनाकर अपने सस्टेनेबिलिटी के उद्देष्य पूरे करने में मदद करती है।''

OPPO ने टेलीफोटो कैमरा सेटअप के साथ Reno10 सीरीज़ लॉन्च की

Reno10 सीरीज में अपना पहला टेलीफोटो पोर्ट्रेट कैमरा पेश

नई दिल्ली। एजेंसी

अग्रणी ग्लोबल डिवाईसेज ब्रांड OPPO ने भारत में अपनी Reno सीरीज में नई पेशकश दी है। OPPO के नए स्मार्टफोंस Reno10 Pro+ 5G, Reno10 Pro 5G, और Reno10 5G में OPPO के टेक्नॉलॉजिकल इनोवेशंस जैसे बैटरीज़ के लिए BHE है, जो सालों तक चलती है, फास्ट चार्जिंग के लिए SUPERVOOCTM है, और डाईनैमिक कंप्यूटिंग इंजन है, जो बैकग्राउंड में 40 से ज्यादा ऐप्स सुगमता से चला सकता है। Reno10 Pro 5G और Reno10 5G का मूल्य क्रमशः INR 54,999 रु. और INR 39,999 है। Reno10 सीरीज के अलावा, OPPO ने अपने लेटेस्ट TWS, Enco Air3 Pro की घोषणा भी की. जिसका मूल्य INR 4,999 है। इस लॉन्च के बारे में दमयंत सिंह खनोरिया, चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, OPPO इंडिया ने कहा, 'OPPO टेक्नॉलॉजिकल प्रगति की सीमाएं बढ़ा रहा है, और खुद को इस उद्योग में अग्रणी इनोवेटर के रूप में स्थापित कर रहा है। Reno10 सीरीज के साथ हम अपना अत्याधुनिक टेलीफोटो कैमरा और होमयोन SUPERVOOC TM टेक्नॉलॉजी लेकर आए हैं, जो जबरदस्त पोर्ट्रेट फोटोग्राफी के साथ यूजर्स को सबसे बेहतर अनुभव प्रदान करेंगे। यह स्लीक और स्टाईलिश सीरीज़ यूजर्स को शानदार परफॉर्मेंस के साथ बेहतरीन वैल्यू प्रपोज़िशन भी देती है।'

फर्जी बिल बनाने वालों की GSTN से खुल जाएगी पूरी कुंडली

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

फर्जी बिल के जरिए टैक्स चोरी करने वालों की अब खैर नहीं है। अब सरकार ने गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स नेटवर्क (GSTN) को पीएमएलए (PMLA) के तहत लाने का फैसला किया है। इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दी गई है। जीएसटीएन को उन एंटिटीज की लिस्ट में शामिल किया गया है जिनकी जानकारी ईडी और फाइनेंशियल इंटेलीजेंस यूनिट के साथ शेयर की जानी जरूरी है। इसका मतलब है कि अब जीएसटी से जुड़े मामलों में ईडी और एफआईयू सीधा दखल दे सकेंगी। साथ ही ईडी जीएसटी चोरी करने वालों फर्म, व्यापारी

या संस्था के खिलाफ सीधे कार्रवाई कर सकेंगे। इससे ईडी को जीएसटी चोरी से जुड़े मामलों में मदद मिलेगी।सरकार की ओर से जारी की गई अधिसूचना के मुताबिक जीएसटी नेटवर्क का डेटा ईडी और एफआईयू के साथ साझा किया जाएगा। इस लिस्ट में अब कुल 26 एंटिटीज हो गई हैं। अगर एफआईयू और ईडी को किसी जीएसटी एसेसी का फॉरेक्स ट्रांजैक्शन संदिग्ध लगता है तो वे इस बारे में जानकारी जीएसटीएन के साथ साझा करेंगे। ईडी फर्जी जीएसटी रजिस्ट्रेशन के एक मामले की जांच कर रही है। इस मामले में यह सामने आया है कि कुछ लोगों ने चोरी के पैन (PAN) और आधार (Aadhaar) का इस्तेमाल करके जीएसटी रजिस्ट्रेशन किया और मनी लॉन्ड्रिंग के लिए शेल कंपनियां बनाईं।

11,000 जीएसटीएन नंबर सस्पेंड

केंद्र और राज्य सरकार के जीएसटी अधिकारियों ने फिजिकल वेरिफिकेशन के लिए 60,000 जीएसटी आइडेंटिफिकेशन नंबर को चुना है। पूरे देश में फील्ड टैक्स ऑफिसर इनका वेरिफिकेशन कर रहे हैं। इनमें से 50,000 से अधिक नंबरों को वेरिफाई किया जा चुका है। इसमें से 25 परसेंट फर्जी निकले हैं और अब तक 11,000 से अधिक जीएसटीएन को सस्पेंड कर दिया गया है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) कर चोरी रोकने को लेकर कई कदम उठा रहा है। सीबीआईसी के अध्यक्ष विवेक जौहरी ने पिछले महीने कहा था कि सरकार फर्जी बिलिंग और फर्जी चालान पर अंकुश लगाने और फर्जी बिजनस की पहचान करने के प्रति गंभीर है।

भारत को लेकर आई इस रिपोर्ट से यूएस से जर्मनी तक हलचल

नई दिल्ली। एजेंसी

भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती और स्थिरता को लेकर खूब बातें होती हैं। सरकार का भी लक्ष्य है कि इसे जल्द 5 ट्रिलियन डॉलर की इकोनॉमी बनाया जाए। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन सैक्स की ओर से जारी हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत जल्द जापान, जर्मनी सहित अमेरिका को भी पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट में साल 2075 का जिक्र किया गया है, जब भारत दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकोनॉमी बन जाएगा।

गोल्डमैन सैक्स द्वारा जारी की गई हालिया रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत आज से करीब 50 साल बाद यानी 2075 तक विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। भारत की अर्थव्यवस्था तब 52.2 लाख करोड़ डॉलर (52.2 ट्रिलियन डॉलर) की हो जाएगी जो मौजूदा जीडीपी से 15 गुना अधिक है।जनवरी में संसद में पेश किये गए आर्थिक सर्वे में कहा गया था कि भारत की अर्थव्यवस्था इस साल मार्च तक 3.5 ट्रिलियन डॉलर की होगी. खबरों के अनुसार, भारत इस आंकड़े को अब पार कर चुका है।

भारत अभी दुनिया की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. देश ने हाल ही में यूके को पीछे छोड़ा है। घ्ष्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2027 तक भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए जापान और जर्मनी को

पीछे छोड़ देगा। रिपोर्ट के मुताबिक, 2027 तक जापान 5.2 ट्रिलियन डॉलर और जर्मनी 4.9 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था होगा। वहीं, भारत तब तक भारत 5.4 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके बाद भारत से आगे केवल यूएस और चीन की रह जाएंगे। 2027 में चीन के 26.44 ट्रिलियन डॉलर और यूएस के 30.28 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाने की संभावना है। इस बात से अंदाजा लगाया जा सकता है कि 2030 के बाद वाले 4 दशक में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ेगा जो अपने से कई गुना आगे चल रहे अमेरिका को भी पछाड़ देगा।

गोल्डमैन सैक्स की रिपोर्ट के मुताबिक, 2075 में भारत जहां 52.5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बन जाएगा, वहीं अमेरिका 51.5 ट्रिलियन डॉलर के साथ तीसरे स्थान पर खिसक जाएगा। चीन उस समय तक विश्व की शीर्ष अर्थव्यवस्था बन जाएगा। चीन की जीडीपी तब तक 57 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। भारत की ग्रोथ इतनी तेजी से क्यों होगी इसका भी जवाब रिपोर्ट में दिया गया है। इस रिपोर्ट में गोल्डमैन सैक्स रिसर्च इंडिया के अर्थशास्त्री सांतनु सेनगुप्ता कहते हैं कि भारत की बढ़ती जनसंख्या को अधिक-से-अधिक श्रमबल में लाना और उन्हें स्कील ट्रेनिंग मुहैया कराना देश की क्षमता को बढ़ाने के लिए एक बड़ा कदम होगा। उनका कहना है कि अगले 2 दशक में भारत का निर्भरता अनुपात आने वाले समय में बहुत कम हो जाएगा. बकौल सेनगुप्ता, भारत में वर्किंग ऐज पॉप्युलेशन और उन पर निर्भर लोगों- जैसे बच्चों-बूढ़ों के बीच का अनुपात कई देशों से बेहतर है और यह भारत की तरक्की की खिड़की है। उन्होंने कहा कि भारत इसे ध्यान में रखते हुए मैन्युफैक्चरिंग कैपेसिटी बढ़ा सकता है और सेवा क्षेत्र में लगातार तरक्की कर सकता है।

चोरी बढ़ी तो आया आइडिया, ब्रैंडिंग पर अंग्रेजों से हुई लड़ाई

कहानी गोदरेज ग्रुप की

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बेटी की शादी के लिए अलमीरा लेनी हो या दुकान के लिए तिजोरी सबसे पहले हमें गोदरेज कंपनी का ही ध्यान आता है। भारत में आज भी गोदरेज लोगों के फेवरेट ब्रैंड्स में से एक है। यह देश की सबसे पुरानी कंपनियों में से एक है। इस ब्रांड की कहानी भी काफी खास है। इस ब्रांड की नींव भारत की आजादी से काफी पहले रखी गई थी। एनी बेसेंट और रविंद्र नाथ टैगोर जैसे महान लोगों का इस कंपनी को सपोर्ट मिला था। यह ब्रैंड इतना पॉपुलर था कि इंग्लैंड की क्वीन ने भी भारत यात्रा के दौरान कंपनी के एक प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया था।

इंग्लैंड से आयातित ताले भी होते थे फेल

यह एक ऐसे व्यक्ति की कहानी है जो इंग्लैंड से आयातित ताले से भी बेहतर ताला बनाता था। वह भी एक बेहद छोटी सी जगह में रहते हुए। 7 मई 1897 में आर्देशिर गोदरेज ने अपने पहले जुनून वकालत को छोड़ने के बाद एक शेड में गोदरेज ग्रुप की शुरुआत की थी। उन्होंने देखा कि विदेश में बने तालों में एक इंटीग्रेटेड स्प्रिंग होता था, जो अक्सर टूट जाता था। इससे उनके ताले इंग्लैंड से आयातित तालों की तुलना में अधिक किफायती हो जाते थे। इसके बाद उनके ताले खूब बिकने लगे। इसके बाद से गोदरेज ने कभी मुड़कर नहीं देखा। आज यह कंपनी कहां है, हम सब जानते हैं।

मेडिकल शॉप में रहते बनाने लगे सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट

आर्देशिर गोदरेज ने वकालत की पढ़ाई की थी। इसके बाद वे पूर्वी अफ्रीका में वकालत करने गए। लेकिन कुछ समय बाद उन्होंने वकालत छोड़ दी। वे भारत आकर एक मेडिकल शॉप पर असिस्टेंट का काम करने लगे। केमिस्ट की दुकान में काम करते हुए उन्होंने सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट बनाने की सोची। सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट का कारोबार शुरू करने के लिए उन्होंने 3,000 रुपये उधार लिए। उन्हें एक ब्रिटिश कंपनी के लिए सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट बनाने का मौका मिला।

अंग्रेजों से हो गई लड़ाई

आर्देशिर इंस्ट्रूमेंट बनाते थे और ब्रिटिश कंपनी बेचती थी। लेकिन इन प्रोडक्ट्स की ब्रैंडिंग पर विवाद हो गया। समस्या यह थी कि सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स पर किस कंपनी का नाम हो, आर्देशिर की कंपनी का या ब्रिटिश कंपनी का। आर्देशिर गोदरेज चाहते थे कि उनके प्रोडक्ट पर मेड इन इंडिया टैग लगे। लेकिन अंग्रेज इस बात पर सहमत नहीं थे।

चोरी की घटनाओं से आया नया आइडिया

मुंबई में चोरी की घटनाएं बढ़ रही थीं। अखबारों में चोरी की घटनाएं सुर्खियां बन रही थीं। यहीं से उन्हें नया प्रोडक्ट तैयार करने का आइडिया मिला। आर्देशिर ने मजबूत लॉकर बनाए। इसके बाद साल 1923 में उन्होंने अलमीरा बनाना शुरू किया। ताले और अलमीरा के बिजनस के बाद गोदरेज ने साबुन भी बनाया। गोदरेज ने बिना ऐनिमल फैट वाला दुनिया का पहला साबुन बनाया था। आजादी के बाद गोदरेज को विस्तार का एक अच्छा अवसर मिला।

गोदरेज ने बनाए थे 17 लाख बैलेट बॉक्स

साल 1951 में आजाद भारत में पहले लोकसभा चुनाव हुए थे। इन चुनावों के लिए करीब 17 लाख बैलेट बॉक्स गोदरेज कंपनी ने बनाए थे। बाद में गोदरेज ने फ्रिज बनाना भी शुरू किया। इस समय गोदरेज के कई सारे प्रोडक्ट आपको मार्केट में मिल जाएंगे।

बैंक लॉकर की नई शर्तें परेशान हो रहे ग्राहक

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की ओर से बैंक लॉकर को लेकर नए नियम लागू हो चुके हैं, लेकिन ग्राहकों को इन्हें लेकर भ्रम और असमंजस अभी भी बना हुआ है। बता दें कि RBI की यह शर्त कि बैंक लॉकर होल्डर्स को समय सीमा के भीतर नए लॉकर अग्रीमेंट के लिए पात्रता दिखानी होगी और नवीनीकरण के लिए अग्रीमेंट करना होगा। अब नए नियमों के बाद ग्राहकों को परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। जहां कुछ बैंक, लॉकर यूजर्स से 500 रुपये के कागज पर स्टांप अग्रीमेंट जमा करने के लिए कह रहे हैं, वहीं कुछ 100 रुपये का स्टांप पेपर लेने के लिए तैयार हैं। इसमें यह स्पष्ट नहीं है कि स्टांप पेपर का खर्च कौन उठाएगा। कुछ बैंक स्टांप पेपर दे रहे हैं वहीं कुछ बैंक ग्राहकों से ही स्टांप पेपर लाने का कह रहे हैं। साथ ही स्टांप पेपर की कमी भी सामने आ रही है। बैंक ग्राहकों की शिकायत है कि उन्हें अभी तक बैंक ब्रांच से नए अनुबंध के बाबत सूचना नहीं मिली है।

कौन देगा स्टांप पेपर का चार्ज?

इसके साथ ही बैंकों ने लॉकरों के सालाना शुल्क में बढ़ोतरी कर दी है । एँद्ध ने लॉकर के प्रकार के अनुसार वार्षिक शुल्क 1,500 रुपये से 12,000 रुपये तक बढ़ा दिया है जिस पर 500 रुपये से 3,000 रुपये तक उएऊ भी लगाया जा रहा है। वहीं प्ञ्इ बैंक ने लॉकरों के प्रकार और ब्रांच की लोकेशन के आधार पर लॉकर का वार्षिक शुल्क 1,350 रुपये से लेकर 20,000 रुपये तक तय किया है। गौरतलब है कि दो साल पहले 18 अगस्त 2021 को रिजर्व बैंक ने सभी बैंकों को निर्देश जारी करते हुए लिखा था कि वे अपने लॉकर धारकों के साथ नया अनुबंध 1 जनवरी, 2023 तक पूरा कर लें। फिर इस वर्ष जनवरी में रिजर्व बैंक ने एक सर्कुलर में बताया कि अभी तक बड़ी संख्या में लॉकरधारकों की ओर से नया अनुबंध करना शेष है।

बहुत सारे मामलों में बैंकों ने अपने लॉकर धारकों को इस बारे में सूचित भी नहीं किया है कि ऐसा तय सीमा अवधि के भीतर करना जरूरी है। रिजर्व बैंक ने लॉकर कॉन्ट्रैक्ट के रीन्यूअल की तारीख बढ़ा कर 31 दिसंबर कर दी, साथ ही बैंकों को निर्देश दिया कि 50% काम 30 जून, 2023 और 75% काम सितंबर 2023 तक कर लिया जाए। साथ ही बैंकों को निर्देश दिया कि रिजर्व बैंक के ॐख्एए सुपरवाइजरी पोर्टल पर हर महीने इस कार्य की प्रगति दिखाई जाए।

क्या कहा था RBI ने

RBI के अनुसार, किसी ग्राहक को लॉकर देते समय, बैंक को उस ग्राहक के साथ विधिवत मुहर लगे कागज पर एक अग्रीमेंट करना होगा। लॉकर-किराए पर लेने वाले को उसके अधिकारों और जिम्मेदारियों को जानने के लिए दोनों पक्षों की ओर से साइन किए हुए अग्रीमेंट की एक कॉपी ग्राहक के पास एक बैंक के पास होनी चाहिए। इसके अलावा बैंक को लॉकर की सुरक्षा के लिए हर जरूरी कदम उठाने पड़ेंगे। अब बैंक यह नहीं कह सकते कि लॉकर में रखे सामान को लेकर उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है। चोरी, धोखाधड़ी, आग या भवन ढह जाने की स्थिति में बैंकों की जिम्मेदारी लॉकर के वार्षिक किराए के 100 गुना तक होगी।

शराब पीना पड़ेगा महंगा, कर्नाटक में एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने की तैयारी

नई दिल्ली।एजेंसी

शराब पीने के शौकीन को यह खबर झटका देने वाली है। अब शराब खरीदना महंगा पड़ सकता है। कर्नाटक सरकार ने शराब के शौकीन लोगों को झटका दिया है। राज्य सरकार के फैसले से बीयर सहित शराब की कीमतें बढ़ा सकती है। दरअसल सरकार ने 2023-24 के बजट में एक्स्ट्रा एक्साइज ड्यूटी बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है। अगर ऐसा होता है कि राज्य में बीयर 10 फीसदी महंगा और शराब 20 फीसदी महंगा हो जाएगा। कर्नाटक विधानसभा में शुक्रवार को पेश वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में शराब एवं बीयर पर आबकारी शुल्क बढ़ाने की घोषणा से इन उत्पादों का महंगा होना तय हो गया है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने राज्य विधानसभा में अपनी सरकार का बजट पेश करते हुए कहा कि भारत में बनी विदेशी शराब पर लगने वाले शुल्क में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की जा रही है। यह शुल्क वृद्धि सभी 18 स्लैब पर लागू होगी। वित्त मंत्रालय का भी प्रभार रखने वाले सिद्धरमैया ने बीयर

पर लगने वाले शुल्क को भी 175 प्रतिशत से बढ़ाकर 185 प्रतिशत करने की घोषणा अपने बजट भाषण में की। उन्होंने अपने बजट भाषण में कहा, 'आबकारी दरों में यह बढ़ोतरी करने के बावजूद हमारे राज्य में शराब की कीमतें पड़ोसी राज्यों की तुलना में कम ही रहेंगी।'मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बजट उपायों से चालू वित्त वर्ष में आबकारी विभाग का राजस्व संग्रह 36,000 करोड़ रुपये रहने का लक्ष्य तय किया गया है।

लोगों की बढ़ती उदासीनता कहीं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पतन का प्रारंभ तो नहीं

दशकों के अनुभव ने हमें यह सिखाया है कि इंटरनेट का प्रचार प्रसार नित नए बदलाव के साथ तब तक होता रहेगा जब तक हम उससे ऊब नहीं जाते। पहले आए आईआरसी, ब्लॉग, फ़ोरम, फेसबुक, मेटावर्स, क्रिप्टोकरेंसी, एनएफटी... और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता। तकनीक के हर नए अवतार के साथ, हमें उससे ऊबने में लगने वाला समय कम होता जा रहा है। ऑनलाइन ब्लॉग और चैट कुछ वर्षों तक चले, लेकिन एआई के प्रति शुरुआती गर्मजोशी कब ठंडेपन में बदलने लगी पता भी नहीं चला। अब तो सवाल पूछा जाने लगा है कि एआई जब तक चला, बड़ा अच्छा था, लेकिन आगे क्या।

यह विचार कुछ दशक पहले की किसी फिल्म की तरह लगता है जिसमें एक रोबोट को दिखाया जाता है जो इंसानों की तरह सोचने और उनके समान रचनात्मक चीजें करने में सक्षम है। लेकिन एक समय के बाद रोबोट को मनुष्य से बेहतर बनते हुए देखकर उसके रचयिता द्वारा उसे उसे एक खलनायक की तरह प्रस्तुत कर उसका अंत कर दिया जाता है या उसका बलिदान दिखाकर विधिवत अंतिम संस्कार कर श्रद्धांजलि अर्पित कर दी जाती है। यानि रोबोट इंसान के लिए एक खिलौने के समान था जिससे खेलकर मन भर जाने के बाद उसे समाप्त कर दिया जाता है। 'एंड देन दे लीव हैप्पीली एवर ऑफटर' की तर्ज पर किसी भी कहानी या फिल्म में भी अब तक ऐसा उदाहरण नहीं है जहा रोबोट और इंसानों का खुशहाल सह अस्तित्व बताया गया हो।

फिर भी, इस तकनीक को धरातल पर उतारने के विचार को लेकर 2022 के अंत और 2023 की शुरुआत में कुछ लोगों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता को उच्च स्तर पर ले जाने के प्रयास शुरू किए और लोगों को यह बहुत आकर्षक और दिलचस्प भी लगा। उन दिनों मिडजर्नी, चैटजीपीटी और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे शब्द सर्च इंजनों में पहली पायदान पर होते थे। लेकिन समय के साथ लोग इससे ऊबने लगे, जनवरी 2023 में 'चैटजीपीटी' इंटरनेट पर खोजे जाने वाले शब्दों में पहले स्थान पर था जो महज 6 महीनों में ही खिसकर 28वें स्थान पर या गया।

राजकुमार जैन
स्वतंत्र विचारक एवं विचारक

समस्या यह है कि हर चीज़ वैसी नहीं होती जैसी बताई जाती है, और जनता की इसे स्वीकारने की एक सीमा होती है। कागज पर, यह सबकुछ बहुत आधुनिक, बहुत भविष्यवादी और बहुत विचारोत्तेजक लगता है, लेकिन जब वास्तविकता की बात आती है, तो परिणाम बहुत सुखद ना होकर बदसूरत दिखता है। सब कुछ अपेक्षा अनुसार नहीं है, एआई के अभ्युदय के चलते कलाकार नौकरियां खो रहे हैं । एआई के परिणाम भी एकदम सही नहीं हैं। टेक दिग्गजों का कहना है कि 'भविष्य में परिणाम सटीक होंगे,' लेकिन उनकी सत्यता को जांचा कैसे जाएगा यह भी एक समस्या है। मेटावर्स कुछ वर्षों में और अधिक परिपूर्ण हो जाएगा, लेकिन अगर यह अभी दिलचस्प नहीं है, तो भविष्य में इसके लिए काम करना बहुत मुश्किल होगा। दुनिया भर में प्रकाशन संस्थानों को मुख पृष्ठ पर एआई को जगह देने लिए ऑनलाइन बहिष्कार भी मिल रहा है।

इस बात से कोई इनकार नहीं करता कि विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए इसका हैरतअंगेज उपयोग हो सकता है, लेकिन यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कला की दुनिया में एआई के लिए कोई जगह नहीं है। चलन को समझना आसान है, कंपनियां खराब प्रदर्शन कर रही हैं और इसका परिणाम सभी के लिए नकारात्मक होता है। हमने सोचा था कि एआई हमारे लिए काम करेगा जो कुछ हद तक सही भी है लेकिन धरातल पर हम देख रहे हैं कि इसने हमारा काम और बढ़ा दिया है।

अपना कार्य करने के लिए अपना मोबाईल या कंप्यूटर खोलिए उसका लॉक खोलिए,उस कार्य से संबंधित विशिष्ट वेब साईट पर जाईए, लॉग इन कीजिए, अपना यूजर नेम टाइप कीजिए, यूजर नेम भूल गए हैं तो मालूम करने के लिए एक लंबी और उबाऊ प्रक्रिया है। किसी तरह आपने सही यूजर नेम प्राप्त कर लिया तो अब बारी है पासवर्ड की, उसके अपने नियम कायदे हैं और भूल जाने पर नया पासवर्ड बनाना एक श्रम साध्य कार्य है। फिर मोबाईल पर ओटीपी देखिए और टाईप करिए, फिर चश्मा लगाकर वो कपाचा पढ़कर समझ कर सही भरिए, यह सब कर किसी तरह लॉग इन कर लिया तो अब यह बटन दबाईए, वह बटन दबाईए, इसको पकड़कर नीचे खींचीए, ऊपर जाईए, स्टेप को रिपीट कीजिए। नाना प्रकार के झंझट।

ऊपर से तुर्रा यह कि हर एप्प या वेब साईट जैसे बैंक, रेलवे रिजर्वेशन, ऑफिस, हवाई यात्रा, मोबाईल बिल भुगतान, बिजली बिल भुगतान, नगरीय निकाय, शेयर बाजार, न्यूज पेपर, मूवी, मनोरंजन, गैस बुकिंग, फास्ट टैग, शापिंग वेबसाईटस, ईमेल, बच्चों के स्कूल, टैक्सी बुकिंग, आदि के एआई के अपने अलग अलग संस्करण हैं जो हर थोड़े अंतराल में एक नवीन प्रक्रिया लेकर आते हैं। इस उबाऊ सिस्टम को फालो करते करते आप थकने लगते हैं, बोर होने लगते हैं और अंततः आप इन सब झंझटों से मुक्ति का मार्ग तलाशने लगते हैं। हम महीनों से सुनते आ रहे हैं कि एआई बेरहमी से काम में कटौती करेगा और एक नई दुनिया का निर्माण करेगा, लेकिन शायद अब खुद से एक सरल सवाल पूछने का समय आ गया है: हमने खिलौने के साथ बहुत खेल खेला है, आज हमारे पास बहुत कुछ है। और यदि हम और कुछ नहीं चाहते, तो आगे क्या।

2 रुपये में हनुमान चालीसा देने वाली गीता प्रेस की 100 साल की यात्रा

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोरखपुर में गीता प्रेस के शताब्दी वर्ष के समापन समारोह में हिस्सा लेंगे। मात्र एक रुपये में लोगों तक गीता उपलब्ध करवाने वाली गीता प्रेस ने अपने 100 साल के इतिहास में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। हाल में गांधी शांति पुरस्कार देने की घोषणा हुई थी। इस पर भारी विवाद भी हुआ था। 1923 में जयदयाल गोयंदका और हनुमान प्रसाद पोद्दार ने गीता प्रेस की स्थापना की थी। इसका सबसे बड़ा योगदान यह है कि इसने हिंदू धार्मिक ग्रंथों को सस्ती कीमत पर आम लोगों तक पहुंचाया। गीता प्रेस ने भगवद्गीता, तुलसीदास की रचनाओं, पुराणों और उपनिषदों की करोड़ों प्रतियां बेचीं हैं। गीता प्रेस अपने 100 साल के सफर में 42 करोड़ किताबें छाप चुकी है। इनमें भगवद्गीता की 18 करोड़ प्रतियां शामिल हैं। इस प्रेस में रोजाना 70,000 किताबें प्रिंट होती हैं। यहां से प्रकाशित हनुमान चालीसा की कीमत दो रुपये से भी सस्ती है।

गीता प्रेस 1923 में अपनी के बाद से आज तक हिंदू धार्मिक साहित्य का सबसे बड़ा प्रकाशक बना हुआ है। इसने बदलते समय के साथ खुद को अपडेट किया है। यहां जर्मन और जापानी हाईटेक मशीनों पर रोजाना 16 भाषाओं में 1800 किताबों की 70 हजार प्रतियां छपती हैं। इसकी शुरुआत साल 1923 में किराए की एक दुकान से हुई थी। आज यह प्रेस सिर्फ एक प्रिंटिंग प्रेस नहीं बल्कि जनभावना बन चुकी है। चुरू, राजस्थान के रहने वाले जयदयाल गोयंदका कारोबारी घराने से ताल्लुक रखते थे। गोयदंका ने 29 अप्रैल 1923 को गोरखपुर के हिंदी बाजार में 10 रुपये किराये के मकान में प्रेस की शुरुआत की। इसका नाम गीता प्रेस रखा गया। प्रेस में गीता ग्रंथ की छपाई होती थी।

कैसे हुई शुरुआत

गोयंदका लोगों तक ऐसी भगवद्गीता पहुंचाना चाहते थे जिसमें कोई गलती न हो। इसके लिए उन्होंने 1922 में कलकत्ता की वाणिक प्रेस को संपर्क किया। लेकिन इसमें कई गलतियां रह गई। जब गोयंदका ने इस बारे में प्रेस के मालिक से बात की तो वह गुस्सा हो गया। उसने गोयंदका से खुद अपनी प्रेस लगाने को कहा। इसी समय गोरखपुर के घनश्यामदास जालान ने इसके लिए मदद का हाथ बढ़ाया। इस तरह गोरखपुर में गीता प्रेस की स्थापना हुई। छपाई मशीन अमेरिका के बोस्टन से मंगाई गई। 1926 में इसे नई जगह शिफ्ट किया गया जहां यह आज तक है। उस समय इस जमीन को 10,000 रुपये में खरीदा गया था। आज यह प्रेस 1.45 लाख स्क्वायर फीट के कैंपस में फैली है।

महात्मा गांधी के सुझाव

गीता प्रेस एक ट्रस्ट के तौर पर काम करता है। उसका लक्ष्य मुनाफा कमाना नहीं है। लोगों को कम कीमत पर धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध करवाना है। गीता प्रेस में छपी पहली पुस्तक की कीमत एक रुपये थी। साल 1926 में गीता प्रेस ने 'कल्याण' नाम से मासिक पत्रिका निकालने का फैसला किया। पत्रिका में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने भी अपना लेख लिखा। गांधी जी ने 1927 में गीता प्रेस को दो सुझाव भी दिए थे। उनका कहना था कि पत्रिका में कोई विज्ञापन न छापा जाए और किसी किताब की समीक्षा न हो। गीता प्रेस के मैनेजर लालमणि तिवारी कहते हैं कि प्रेस ने 90 साल से गांधी जी के सुझावों के सुझावों का उल्लंघन नहीं किया है। आज गीता प्रेस गोरखपुर का पर्याय बन गई है।

हिंदी और संस्कृति के अलावा गीता प्रेस 13 अन्य भाषओं में हिंदू धर्म से जुड़े ग्रंथ और साहित्य प्रकाशित करती है। गीता और मानस के अलावा 2000 से अधिक पुस्तकों की 90 करोड़ से अधिक प्रतियां छापी जा चुकी है। सिर्फ गीता की 100 से अधिक तरह की 12 करोड़ प्रतियां छापी जा चुकीं हैं। इसके अलावा 16.57 करोड़ कल्याण पत्रिका छापी गई । हालांकि इस प्रेस ने कई बार उतार-चढ़ाव देखें। कई बार इसके बंद होने की नौबत आई। शुद्ध और सस्ती दरों पर लोगों को धार्मिक पुस्तक उपलब्ध करवाने के चलते प्रेस को नुकसान हो रहा।

मुनाफे से दूरी

गीता प्रेस एक ट्रस्ट के तौर पर काम करता है। उसका लक्ष्य मुनाफा कमाना नहीं है। लोगों को कम कीमत पर धार्मिक पुस्तकें उपलब्ध करवाना है। उद्योगों से सीधा कच्चा माल खरीदकर वो अपनी लागत को कम करने की कोशिश करते हैं। देश ही नहीं बल्कि विदेशों से भी लोग इस प्रेस को देखने आते हैं। साल 2021 में गोरखपुर से सांसद रविकिशन जब गीता प्रेस के दौरे पर गए थे, उन्होंने ट्वीट कर बताया था कि वहां जापानी, इतालवी और जर्मन प्रिंटिंग मशीनें हैं। इन मशीनों की कीमत 5 करोड़ रुपये से 15 करोड़ रुपये तक की है। प्रेस हर महीने करीब 80 लाख रुपये सैलरी के तौर पर कर्मचारियों को देता है।

सावन के महीने में इन चीजों से करें भोलेनाथ का रुद्राभिषेक हर इच्छा होगी पूरी

डॉ. संतोष वाधवानी
रत्न एवं वास्तु विशेषज्ञ, अंतर्राष्ट्रीय ज्योतिष एवं वास्तु एसोसिएशन प्रदेश प्रवक्ता

सावन का पवित्र महीना चल रहा है। ऐसे में शिव भक्त भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए तरह-तरह के कार्य करते हैं। वहीं शिवजी को प्रसन्न करने के लिए रुद्राभिषेक सबसे अच्छा उपाय माना जाता है। कहा जाता है कि रुद्राभिषेक से शिवजी बेहद प्रसन्न होते हैं और जातक की हर मनोकामना पूरी करते हैं। सावन के महीने में शिवजी का रुद्राभिषेक करना बहुत शुभ माना गया है। शिवलिंग पर मंत्रों के जाप के साथ विशेष चीजों को अर्पित करना रुद्राभिषेक कहलाता है। रुद्राभिषेक करने से जीवन की समस्याओं से मुक्ति मिलती है। साथ ही व्यक्ति की हर मनोकामना पूर्ण होती है।

इन चीजों से करें रुद्राभिषेक

- रुद्राभिषेक करने के लिए शास्त्रों में कुछ चीजों के बारे में बताया गया है। जिस चीज से रुद्राभिषेक करते हैं, उससे जुड़ी मनोकामना पूरी होती है।

- ज्योतिष शास्त्र के अनुसार गन्ने के रस से भगवान शिव का अभिषेक करने से गंभीर बीमारी से मुक्ति मिलती है। साथ ही हर इच्छा पूरी होती है।

- शास्त्रों के अनुसार दूध में चीनी मिलाकर शिव जी का अभिषेक करने से व्यक्ति की बुद्धि तेज होती है। जिससे उसे हर कार्य में सफलता मिलती है।

- शास्त्रों के मुताबिक सरसों के तेल से शिव जी का अभिषेक करने से शनि के अशुभ प्रभावों से मुक्ति मिलती है।

- भगवान शिव का भस्म से अभिषेक करने से इंसान को मुक्ति और मोक्ष की प्राप्ति होती है।

- शास्त्रों के अनुसार घी से भगवान शिव का अभिषेक करने से वंश बढ़ता है। इसके साथ ही संतान सुख की प्राप्ति भी होती है।

- शास्त्रों के अनुसार शहद से शिवजी का अभिषेक करने से पुरानी बीमारियों से छुटकारा मिलता है और व्यक्ति स्वस्थ जीवन जीता है।

- गाय के दूध से भगवान शिव का अभिषेक करने से आरोग्य मिलता है।

इस दिन करें रुद्राभिषेक

- ज्योतिष के अनुसार हर महीने के शुक्ल पक्ष की द्वितीय और नवमी तिथि को शिवजी मां गौरी के साथ रहते हैं। हर महीने कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा, अष्टमी और अमावस्या को भी शिव जी मां गौरी के साथ रहते हैं। ये दिन रुद्राभिषेक करने के लिए उत्तम माने जाते हैं।

- हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी और एकादशी को महादेव कैलाश पर वास करते हैं। हर महीने की शुक्ल पक्ष की पंचमी और द्वादशी तिथि को भी महादेव कैलाश पर रहते हैं। रुद्राभिषेक के लिए ये दिन शुभ हैं।

- हर महीने की कृष्ण पक्ष की पंचमी और द्वादशी को शिव जी नंदी पर सवार होकर पूरा विश्व भ्रमण करते हैं। हर महीने की शुक्ल पक्ष की षष्ठी और त्रयोदशी तिथि को भी शिव जी विश्व भ्रमण पर होते हैं। इस दिन रुद्राभिषेक करना शुभ होता है।

सावन के दूसरे सोमवार को बनेगा हरियाली अमावस्या का दुर्लभ संयोग

डॉ. आर.डी. आचार्य
9009369396
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ
इंदौर (म.प्र.)

सावन का दूसरा सोमवार 17 जुलाई को है, यह बहुत खास हैं, क्योंकि इस दिन कई दुर्लभ योग बन रहे हैं। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा ने बताया कि सावन के दूसरे सोमवार को हरियाली अमावस्या भी है। अमावस्या होने की वजह से इस दिन सोमवती अमावस्या का संयोग बन रहा है और सोमवती अमावस्या के दिन शिव पूजा से पितृदोष, शनिदोष और कालसर्प दोष से मुक्ति मिलती है। इसी दिन सूर्य कर्क संक्रांति भी है। इस दिन सूर्य देव का कर्क राशि में प्रवेश होगा। सूर्य का गोचर कर्क राशि में होने से कर्क राशि में बुधादित्य नामक राजयोग बनने जा रहा है। इस राजयोग के प्रभाव से सूर्य देव की कृपा बरसेगी।

18 जुलाई से लग जायेगा मलमास

सावन के दूसरे सोमवार के बाद 18 जुलाई से 16 अगस्त तक मलमास रहेगा। पंचांग के अनुसार 3 साल में एक बार मलमास या अधिक मास पड़ता है। मलमास में शुभ कार्य वर्जित रहते है। मलमास में भगवान विष्णु की आराधना फलदायी होती है। इस समय भगवान शिव की पूजा की जा सकती है, लेकिन इस समय सोमवार व्रत करना मान्य नहीं है। मलमास के पश्चात् 17 अगस्त से 31 अगस्त तक सावन रहेगा। इसमें पड़ने वाले 21 अगस्त व 28 अगस्त के सोमवार व्रत मान्य रहेंगे।

अधिकमास क्यों और कब आता है

वास्तव में अधिकमास एक

अतिरिक्त मास है जो हर 32 माह, 16 दिन और 8 घटी के अंतर से आता है। इसका प्राकट्य सूर्य वर्ष और चंद्र वर्ष के बीच अंतर का संतुलन बनाने के लिए होता है। भारतीय गणना पद्धति के अनुसार प्रत्येक सूर्य वर्ष 365 दिन और करीब 6 घंटे का होता है, वहीं चंद्र वर्ष 354 दिनों का माना जाता है। दोनों वर्षों के बीच लगभग 11 दिनों का अंतर होता है, जो हर तीन वर्ष में लगभग 1 मास के बराबर हो जाता है। इसी अंतर को बराबर करने के लिए हर तीन साल में एक चंद्र मास अस्तित्व में आता है, जिसे अतिरिक्त होने के कारण अधिकमास या मलमास का नाम दिया गया है।

हथेली की लकीरें दिलाती हैं खूब कामयाबी

ज्योतिष से जानें कैसी रेखाओं से बनते कौन से शुभ योग

हस्तरेखा विज्ञान प्राचीनतम ज्योतिष विधाओं में से एक है. ज्योतिष विद्या के अनुसार व्यक्ति की हस्तरेखाओं का संबंध उसके भाग्य से होता है. आतमौर पर हाथों की लकीरें या रेखाएं शाश्वत नहीं होती. क्योंकि समय के साथ-साथ हाथ की रेखाएं बदलती रहती हैं.

श्री रोशनी शर्मा
9265235662
हस्त रेखा एवं फेस रीडर
(ज्योतिषाचार्य)

कई बार तो हाथों की लकीरों में ऐसे शुभ योग बनते हैं, जिसके चलते व्यक्ति को करियर से लेकर कारोबार कई क्षेत्रों बहुत लाभ होता है और उसपर मां लक्ष्मी मेहरबान हो जाती है. ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि, ज्योतिष शास्त्र के में हस्तरेखा से बनने वाले कुछ योग को बहुत शुभ माना गया है. इन योग के कारण व्यक्ति जीवन में खूब तरक्की करता है. ज्योतिषाचार्य अनीस व्यास जी से जानते हैं, हस्तरेखाओं में बनने वाले ऐसे खास योग के बारे में, जो जीवन में सफलता और तरक्की दिलाते हैं.

हथेली पर बनने वाली ये रेखाएं होती है शुभ

कुछ लोगों के हाथ पर त्रिशूल का निशान बना होता है. शनि पर्वत के स्थान पर जिन लोगों के हाथ में यह निशान होता है वो किस्मत वाले होते हैं. ऐसे लोगों पर हमेशा ही शनि देव की कृपा रहती है.

जिन लोगों की हथेली में भाग्य रेखा हथेली के बीच से शुरू होकर उसकी एक शाखा गुरु पर्वत या सूर्य पर्वत पर मिले तो ऐसे लोगों को भी हर काम में किस्मत का साथ मिलता है.

जिनकी हथेली पर धनुष, चक्र, झंडा, रथ और आसन आदि जैसे निशान होते हैं, वो लोग किस्मत के धनी कहलाते हैं.

किसी व्यक्ति की हथेली पर तलवार, हल या फिर पहाड़ का निशान हो तो ऐसे व्यक्ति के हाथों में राजयोग होता है और उच्चाधिकारी बनते हैं एवं समाज में खूब नाम कमाते हैं.

जिनकी हथेली पर मछली, छाता और मंदिर का निशान होता है उनके हाथों में राज योग होता है और ये लोग बहुत नाम कमाते हैं.

हथेली पर गुरु और सूर्य पर्वत उभार लिए हो और शनि, बुध रेखा साफ और सीधी हो तो ऐसे लोग उच्च अधिकारी बनते हैं.

लक्ष्मी योग

हस्तरेखाओं में बुध, गुरु, शुक्र और चंद्रमा पर्वत अच्छी तरह से लालिमा लिए हुए विकसित हो गए हैं, तो ये लक्ष्मी योग कहलाता है. इसे काफी शुभ योग माना गया है, जिस व्यक्ति की हस्त रेखाओं में ये योग बनता है, वह जो भी काम करता है, उसमें उसे जरूर सफलता मिलती है. ऐसे लोग खुशहाल जीवन बिताते हैं और मां लक्ष्मी की कृपा से खूब धन कमाते हैं.

गजलक्ष्मी योग

हाथ की भाग्य रेखा मणिबंध से शुरू होकर शनि पर्वत तक जाती है. वहीं सूर्य रेखा बिना किसी कट-पिट के एकदम स्पष्ट दिखती हो और सूर्य पर्वत लालिमा लिए विकसित हो रखा है तो इस योग को गजलक्ष्मी योग कहा जाता है. इस योग को भी काफी शुभ माना गया है. ऐसा योग जिस व्यक्ति के हाथों में होता है उसे दिन दोगुनी और रात चौगुनी तरक्की मिलती है. ऐसे लोग व्यापार में खूब मुनाफा कमाते हैं.

शुभ कर्तरी योग

किसी की हथेली के बीच का हिस्सा दबा हुआ है और सूर्य और गुरु पर्वत अच्छी तरह से विकसित हो गए हैं. वहीं भाग्य रेखा शनि पर्वत तक जाए तो ऐसे में शुभ कर्तरी योग बनता है. यह योग जिस व्यक्ति के हाथ में होता है वह जीवन में खूब धन अर्जित करता है. ऐसे लोगों पर मां लक्ष्मी की कृपा सदा बनी रहती है.

भाग्य योग

दोनों हाथों में भाग्य रेखा लंबी और स्पष्ट है और चंद्र पर्वत या फिर गुरु पर्वत से शुरू होती है तो ऐसे में भाग्य योग बनता है. यह योग जीवन में आपार सफलता , कारोबार क्षेत्र में लाभ और दांपत्य जीवन भी खुशियां दिलाता है.

पॉपुलर गाड़ियों पर लगेगा 22 प्रतिशत अतिरिक्त टैक्स, महंगी हो जाएगी कार

नई दिल्ली। एजेंसी

लगातार आसमान छू रही महंगाई ने ऑटो सेक्टर पर भी गहरा प्रभाव डाला है। हाल ही में फेम-2 स्कीम में संशोधन होने पर इलेक्ट्रिक वाहनों के बढ़े दामों के बाद GST Council ने XUV और MUV कारों पर टैक्स बढ़ा दिया है। दिसंबर 2022 की विज्ञप्ति के आधार पर, जीएसटी परिषद मोटर वाहन को एसयूवी के रूप में वर्गीकृत करने वाले मानदंडों को फिर से परिभाषित करने की प्रक्रिया में है। इसके चलते काउंसिल ने एक्सयूवी और एमयूवी पर लगवने वाले उप कर को 20 प्रतिशत से बढ़ाकर 22 प्रतिशत कर दिया है।

किन गाड़ियों की बढ़ गई कीमत?

अपडेट किए गए मानदंडों के तहत, एसयूवी और एमपीवी जैसे महिंद्रा XUV700 या Toyota Innova Hycross जैसे बहु-उपयोगिता वाहनों पर अब उपकर दर में मौजूदा 20 प्रतिशत से 200 अंक की बढ़ोतरी होगी, जो 22 प्रतिशत फ्लैट दर होने वाली है, साथ ही 28 प्रतिशत की जीएसटी दर भी अपरिवर्तित बनी हुई है। इस कदम से एसयूवी और अब एमपीवी दोनों ही पूरे बोर्ड में 2 प्रतिशत तक महंगे हो गए हैं। हालांकि, Maruti Invicto जैसे हाइब्रिड मल्टी-यूटिलिटी वाहनों पर अभी भी 15 प्रतिशत कम उपकर दर पर शुल्क लिया जाएगा।

नए नियमों के अनुसार 170 मिमी के अनलोडेड ग्राउंड क्लीयरेंस वाला कोई भी वाहन श्ळन्न श्रेणी में आएगा। वहीं, 4 मीटर से अधिक लंबे और 1500 सीसी से अधिक इंजन क्षमता वाले वाहन भी परिषद द्वारा निर्धारित मानदंडों का हिस्सा होंगे। कुल मिलाकर, कोई भी पेट्रोल या डीजल एसयूवी/एमपीवी जो इस मानदंड को पूरा करती है, उस पर अब 22 प्रतिशत का उपकर लगया जाएगा। हालांकि, ये स्पष्ट है कि इससे एसयूवी और एमपीवी की कीमतों में वृद्धि होगी। सटीक राशि का तुरंत पता लगाना मुश्किल है क्योंकि ब्रोशर पर प्रकाशित निर्माता के स्पेसिफिकेशन सरकार से प्राप्त होमोलॉगेशन प्रमाणपत्र से भिन्न हो सकते हैं। आपको बता दें कि किसी मॉडल के बाजार में प्रवेश करने से पहले टैक्सेशन होमोलॉगेशन प्रमाणपत्र पर आधारित होता है।

वित्त मंत्री ने क्या कहा?

50वीं जीएसटी परिषद की बैठक के दौरान, वित्त मंत्री, निर्मला सीतारमण ने कहा कि एक अनुरोध था कि एसयूवी पर 20 और 22 प्रतिशत कर को तर्कसंगत बनाया जाए ताकि सब कुछ विलय हो जाए और एक समान 22 प्रतिशत कर लगाया जाए। हम उस सिफारिश के साथ नहीं गए हैं, क्योंकि अगर हम ऐसा करते हैं तो सेडान भी इसमें शामिल हो जाती है। दो राज्यों ने विशेष रूप से सेडान को शामिल करने पर आपत्ति जताई थी, ये थे पंजाब और तमिलनाडु। इसलिए हमने टैक्सेशन का दायरा बढ़ाया है लेकिन इतना नहीं कि सेडान भी इसमें शामिल हो जाए।

भारत का पाम तेल आयात मई में 15 फीसदी घटकर 4.39 लाख टन रहा

CPO का आयात घटकर 3.48 लाख टन पर पहुंचा

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत का पाम तेल आयात इस साल मई में 14.59 फीसदी घटकर 4,39,173 टन रह गया जबकि कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात तेजी से बढ़ा। तेल उद्योग निकाय एसईए ने यह जानकारी दी है। दुनिया में वनस्पति तेल के खरीदारों में अग्रणी देश भारत ने मई 2022 में 5,14,022 टन पाम तेल का आयात किया था। हालांकि, देश का कुल वनस्पति तेल आयात इस साल मई में मामूली गिरावट के साथ 10,58,263 टन रहा, जो एक साल पहले की समान अवधि में 10,61,416 टन था। देश के कुल वनस्पति तेल आयात में पाम तेल की हिस्सेदारी करीब 59 फीसदी की है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन (एसईए) के अनुसार, तेल वर्ष 2022-23 में नवंबर-मई के दौरान पाम तेल उत्पादों का आयात तेजी से बढ़कर 53,48,396 टन हो गया, जबकि एक साल पहले की अवधि में यह आयात 37,39,783 टन था।

एसईए के कार्यकारी निदेशक बी वी मेहता ने एक बयान में कहा, "कुल खाद्य वनस्पति तेल आयात में पामतेल की हिस्सेदारी 50 फीसदी से बढ़कर 59 फीसदी हो गई, जबकि नरम तेल (सॉफ्ट आयल) का आयात घट गया। हालांकि, पिछले दो महीनों में सूरजमुखी और सोयाबीन के तेल की खेप तेजी से बढ़ी है।"

एसईए के आंकड़ों के मुताबिक, पाम ऑयल उत्पादों में क्रूड पाम ऑयल (सीपीओ) का आयात इस साल मई में घटकर 3.48 लाख टन रह गया, जो साल भर पहले की अवधि में 4.09 लाख टन था। इसी तरह, आरबीडी पामोलिन का आयात एक लाख टन से घटकर 85,205 टन रह गया, जबकि कच्चे पाम कर्नेल तेल (सीपीकेओ) का आयात मई के 4,265 टन से बढ़कर 5,850 टन हो गया। नरम तेलों में, सोयाबीन तेल का आयात इस साल मई में घटकर 3.18 लाख टन रह गया, जबकि 2022 की समान अवधि में यह 3.73 लाख टन था। मई 2022 के 1.18 लाख टन के मुकाबले सूरजमुखी तेल का आयात इस बार तेजी से बढ़कर 2.95 लाख टन हो गया। एसईए के मुताबिक, इस साल एक जून को खाद्य तेलों का स्टॉक 7.38 लाख टन होने का अनुमान है और करीब 22.03 लाख टन खाद्यतेल पाइपलाइन में है। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल का आयात करता है, और अर्जेंटीना से सोयाबीन सहित कच्चे नरम तेल की एक छोटी मात्रा का आयात करता है। सूरजमुखी का तेल यूक्रेन और रूस से आयात किया जाता है।

भारत में बनाकर दुनिया में बाइक बेचने की तैयारी में हार्ली डेविडसन

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिकी बाइक मेकर कंपनी हार्ली-डेविडसन ने पिछले हफ्ते हीरो मोटोकॉर्प के साथ साझेदारी में अपनी अब तक की सबसे किफायती बाइक लॉन्च करके भारत में दूसरी पारी का आगाज कर दिया। इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी के ण्ढिं जोचेन जिट्ज ने बताया कि कंपनी यहां की फैक्ट्री का इस्तेमाल दुनिया के दूसरे बाजारों में बाइक बेचने के लिए भी कर सकती है।

हार्ली-डेविडसन के ण्ढिं का कार्यभार संभालने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा पर जिट्ज ने कहा कि हालांकि, कंपनी की तत्काल प्राथमिकता हीरो के साथ मिलकर बनाई गई बाइक HD X440 के साथ स्थानीय बिक्री को मजबूत करना है। कंपनी के लिए भारत की एक्सपोर्ट क्षमता का जिक्र करते हुए जिट्ज ने कहा, 'हम यहां अपनी 750cc की मैन्युफैक्चरिंग इंटरनैशनल मार्केट के लिए कर रहे थे, इसलिए मैं इसे खारिज नहीं कर रहा हूं। लेकिन अभी, ध्यान वास्तव में यह सुनिश्चित

करने पर है कि प्रॉडक्ट भारत में सफल हो।' हार्ली-डेविडसन ने 2020 में भारत में अपना मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशन बंद कर दिया। हालांकि, कंपनी ने देश में अपने इम्पोर्टेड प्रॉडक्ट की बिक्री जारी रखने के लिए हीरो मोटोकॉर्प के साथ एक अग्रीमेंट किया था। X440 - दोनों कंपनियों की ओर से संयुक्त रूप से विकसित पहला प्रॉडक्ट है जिसकी कीमत लगभग ?2.3 लाख रुपये है। प्रीमियम बाइक कैटिगरी में इसका मुकाबला रॉयल एनफील्ड से है।

भारत पर नए सिरे से फोकस

हार्ली-डेविडसन का भारतीय बाजार पर नए सिरे से ध्यान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका और भारत ग्लोबल स्टेज पर चीन के कर्मशल दबदबे का मुकाबला करने के लिए कई कमर्शल और डिफेंस डील के जरिए आपसी जुड़ाव बढ़ा रहे हैं। जिट्ज ने कहा, 'मैं दुनिया के दो सबसे अधिक आबादी वाले बाजारों को एक अवसर के रूप में देखता हूं। आप इकॉनमी के साथ आगे बढ़ने के लिए अभी अपनी जड़ें तैयार करें और यही कारण है कि हम वास्तव में यहां हैं।' लेकिन भारत जैसे देशों में जहां कंपनी के पास बाजार में एंट्री करने के तरीके की जानकारी नहीं है, हार्ली-डेविडसन एक ऐसे भागीदार के साथ काम करेगी जो सही डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क स्थापित करने में मदद कर सकता है।

पार्टनरशिप फर्म एवं एलएलपी टैक्सेशन पर सेमिनार का आयोजन

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन एवं इंदौर सीए शाखा द्वारा पार्टनरशिप फर्म एवं एलएलपी टैक्सेशन पर सेमिनार का आयोजन किया गया जिसे सीए मनीष डफरिया ने सम्बोधित किया त टैक्स प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट सीए शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने कहा कि पिछले कुछ समय से आयकर कानून मे पार्टनरशिप फ़र्म व एल एल पी के कराधान को लेकर कई महत्वपूर्ण संशोधन किये गये है। विशेषतः नये पार्टनर के आगमन, पुराने पार्टनर के रिटायरमेंट , प्रॉफ़िट शेयरिंग रैशियो में परिवर्तन आदि पर कराधान को काफी जटिल कर दिया गया है। सदस्य आयकर अधिनियम के इन संशोधनों का सही इंटरप्रीटेशन कर सकें इस हेतु इस सेमिनार का आयोजन किया गया। सीए मनीष डफरिया ने कहा कि आयकर की नयी धारा 9ँ के तहत यदि फ़र्म या एल एल पी के पार्टनर को कोई संपत्ति हस्तांतरित की जाती है तो इसे फ़र्म के हाथ मे कैपिटल गेन या व्यवसाय की आय मान, तदनुसार आयकर लगाया जाएगा। तत्पश्चात यदि पार्टनर को दी गयी संपत्ति का मूल्य व उसे दी गयी नगद राशि का योग पार्टनर के कैपिटल अकाउंट के बैलेन्स से ज्यादा हो जाता है तो इस आधिक्य की राशि को केपिटल गेन माना जाएगा जिस पर फ़र्म को धारा 45 (4) के तहत भी कर देना होगा। इस केपिटल गेन की गणना के लिए किसी प्रकार का इंडेक्सेशन आदि का लाभ भी प्राप्त नहीं होगा। सीए डफरिया ने कहा कि धारा 45 (4) का कर चुकाते समय पार्टनरशिप फ़र्म/ एल एल पी को यह ध्यान रखना चाहिए की वे फार्म 5 ण आयकर विभाग मे जमा करा दे। यह फार्म जमा करने पर जिस राशि पर अभी कर दिया गया है, भविष्य मे उस राशि की छूट ली जा सकेगी। सेमिनार का सञ्चालन करते हुए टीपीए के मानद सचिव सीए अभय शर्मा ने कहा कि पार्टनर को रिटायरमेंट के समय फर्म की और से कोई कैपिटल एसेट दी जाती है तो धारा 9 बी में उक्त कैपिटल एसेट की मार्किट वैल्यू और इंडेक्स कॉस्ट के अंतर पर फर्म को कैपिटल गेन टैक्स देय होगा। धन्यवाद् अभिभाषण सीए सोम सिंहल ने दिया। सेमिनार में एडवोकेट महेश अग्रवाल, सीए दीपक माहेश्वरी, एडवोकेट गोविंद गोयल, सीए अभिषेक गांग, सीए मनोज गुप्ता, सीए प्रमोद गर्ग, सीए भरत अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

अगले 5 साल में बिकने वाले टाटा के यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक वाहन की संख्या एक चौथाई होगी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

भारत की प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माता और देश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विकास में सबसे आगे रहने वाली कंपनी टाटा मोटर्स को उम्मीद है कि अगले पांच सालों में बिकने वाले कंपनी के यात्री वाहनों में इलेक्ट्रिक कारों और इलेक्ट्रिक एसयूवी की संख्या 25 फीसदी होगी। यह अनुमान इलेक्ट्रिक वाहनों की व्यापक रेंज की पेशकश और लगातार बेहतर हो रहे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर आधारित है। नेक्सॉन, टिगोर और टियागो के साथ, टाटा मोटर्स ने इलेक्ट्रिक वाहन के बाजार में काफी सोच-विचार कर उल्लेखनीय और पहला कदम रखा है, जिससे कंपनी को लाभ होगा। कंपनी घरेलू यात्री वाहनों की श्रेणी में इलेक्ट्रिफिकेशन के अभियान का नेतृत्व कर रही है। इस समय 85,000 से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहन भारतीय सड़कों पर दौड़ रहे हैं। टाटा मोटर्स की ईवी मार्केट में 80 फीसदी से ज्यादा की हिस्सेदारी है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स और टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिसिटी मोबिलिटी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शैलेश चंद्रा ने कहा, '2022 में हमारे यात्री वाहनों की बिक्री में इलेक्ट्रिक वाहन का हिस्सा 8.2 फीसदी था, जोकि 2021 में 5 फीसदी था। हालांकि दिसंबर 2022 की तिमाही में हमारे इलेक्ट्रिक वाहन की बिक्री का शेयर 9.6 फीसदी तक पहुंच गया था। Tiago.ev की पेशकश के साथ यह दहाई अंकों में पहुंच जाएगा। भविष्य में लॉन्च होने वाली कई इलेक्ट्रिक कारों के दम पर हम इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में दहाई अंकों की मजबूत बहुत बरकरार रखेंगे। हमारा लक्ष्य अगले पांच सालों में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में 25 फीसदी योगदान हासिल करना है।'

3जी एक्वा ने तैयार किया न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा

हार्ड वाटर को सॉफ्ट वाटर में बदल कर देगा कई घरेलू, कृषि और औद्योगिक लाभ

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आधुनिक जीवनशैली में पानी की गुणवत्ता को लेकर हमेशा सवाल खड़े किए जाते रहे हैं और इससे संबंधित उत्पादों का महत्व भी बढ़ा है। इसी कड़ी में 3 जी एक्वा वाटर ट्रीटमेंट टेक्नोलॉजी ने लॉन्च किया है 'न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा'। यह प्रोडक्ट हार्ड वाटर को सॉफ्ट वाटर में बदलने के लिए ट्रिपल फॉर्मूलेशन का उपयोग करता है जो बिना किसी मेंटेनेंस के तीन गुना क्षमता के साथ काम करता है।

3जी एक्वा के डायरेक्टर श्री शलभ नामदेव ने कहा -न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा, ताकतवर और प्रभावी प्रोडक्ट है, जिसमें नोबल और सेमी-नोबल धातुओं के साथ हेवी सुपर मेटल्स का उपयोग किया गया है। इसकी परफॉरमेंस ट्रिपल स्पीड के साथ बढ़ती है और उच्च उत्पाद गुणवत्ता को सुनिश्चित करती है। साथ ही साथ यह बिना मेंटेनेंस के 10 साल की गारंटी के साथ उपलब्ध है। यह टंकी के आउटलेट के पाइप डायमीटर में फिट हो जाता है एवं कोई भी साधारण प्लंबर इसको 10 मिनट में इंस्टाल कर सकते हैं। हम नासा द्वारा वैज्ञानिक मान्यता प्राप्त ऑक्सीडाइजेशन रिडक्शन टेक्नोलॉजी से इसका उत्पादन कर रहे हैं। पिछले 18 सालों में 3जी एक्वा लाखों डिवाइस भारत और दुनिया के कई देशों में इंस्टॉल कर चुकी है जो सुचारू रूप से काम कर रही है।'

श्री नामदेव आगे कहते हैं 'न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा एक एंटी-स्केलिंग प्रोडक्ट है। मल्टीपल एप्लिकेशन के लिए सुपर 5 जी एक्वा प्रोडक्ट स्केलिंग या खार और क्षार को किसी भी घरेलू, कृषि और औद्योगिक उपकरणों पर जमने नहीं देता जो मशीन की उत्पादकता एवं उम्र को लम्बी करता है। 5 जी एक्वा ने नई टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए अपने प्रोडक्ट को इस तरह से तैयार किया गया है कि यह घरेलु लाभ पहुंचाएगा, बालों का झड़ना कम करेगा, त्वचा को किसी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाएगा। यह टेक्नोलॉजी पुरानी स्केलिंग हटाती है जिससे टाइल्स, वॉशबेसिन, गिज़र और महत्वपूर्ण प्लंबिंग उपकरणों पर स्केलिंग और खार से बचाता है। यह हार्ड वाटर को सॉफ्ट में बदलने का कारगर उपाय है।

कृषि क्षेत्र में न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा मिट्टी को मुलायम करते हुए नमी की मात्रा बढ़ाता है जिससे अंकुरण अच्छा होगा और फसलों की वृद्धि 45 से 55 प्रतिशत तक बढ़ेगी। स्प्रिंकलर से पानी सींचते हुए खार के कारण लाइन ब्लॉक नहीं होगी और पत्तों की जलने की समस्या पर नियंत्रण होगा। औद्योगिक क्षेत्र में, न्यू कैटेलिटिक सुपर 5 जी एक्वा बॉयलर और मशीनरी की क्षमता को हार्ड वाटर से नकारात्मक रूप से प्रभावित होने से बचाएगा और पार्ट्स को खराब होने से रोकेगा। इसके साथ ही, यह कैल्शियम और मैग्नीशियम की उपस्थिति से होने वाले हार्ड डिपॉजिट्स को कम करता है और मशीनरी के अंदर हीट ट्रांसफॉर्मेशन पर सक्रिय प्रभाव डालता है। सामान्य हार्ड वाटर के उपयोग से मशीन में कैल्शियम और मैग्नीशियम की एक छोटी परत बन जाती है और इससे क्षमता और गुणवत्ता में 25 प्रतिशत तक की कमी आ सकती है। ऐसी समस्याओं के लिए सुपर 5जी एक्वा एक सटीक समाधान है।

महाराष्ट्रीयन फूड फेस्टिवल इंदौर में

ज़ायकेदार व्यजनों और मिठाइयों का आनंद एफोटेल सयाजी में

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

एफोटेल बाय सयाजी इंदौर के द क्यूब में 7 से 16 जुलाई तक आयोजित महाराष्ट्रीयन फूड फेस्टिवल महाराष्ट्र के व्यंजनों के भरोसेमंद स्वादिष्ट, मीठे और मसालेदार ज़ायके का अनुभव करें। इस फेस्टिवल में कोल्हापुर के अनुभवी शेफ किशन अपने कुछ खास महाराष्ट्रीयन व्यंजन पेश करेंगे। होटल में आए मेहमान पितला भात, भरलेली वांगी, कोबिचा भात, पुनेरी मिसल, झुणका भाकरी, कोथिम्बीर वडी, साओजी मटन, श्रीखंड पुरी जैसे विश्वसनीय व्यंजनों के साथ आम्रखंड, उकडिचे मोदक, पूरन पोली आदि जैसी स्वादिष्ट मिठाइयों के साथ अपने स्वाद को संतुष्टि प्रदान कर सकते हैं। श्री अनुराग आनंद, डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस, एफोटेल बाय सयाजी इंदौर ने बताया कि 'ताजा स्वाद से भरपूर बेहद स्वादिष्ट व्यंजन मेहमानों के दिलो-दिमाग में हमेशा के लिए छा जाएंगे। एक ही जगह पर स्वादिष्ट व्यंजन और उत्तम गुणवत्ता वाली मिठाइयाँ खानपान के शौकीनों के लिए आनंदायक अनुभव रहेगा'। शानदार और आकर्षक मल्टी-कुज़ीन रेस्टोरेंट, द क्यूब के मेनू में देश के विभिन्न इलाकों के व्यंजन शामिल हैं। द क्यूब भारतीय, यूरोपीय, अमेरिकी और पैन-एशियाई व्यंजनों का विविधतापूर्ण मेनू पेश करता है। मेहमानों के लिए तीनों वक्त के भोजन के लिए लोकप्रिय दक्षिण-भारतीय, एशियाई एवं पश्चिमी व्यंजनों की व्यापक रेंज उपलब्ध है, जिनमें से वे अपना पसंदीदा व्यंजन चुन सकते हैं।

मेक इन इंडिया के तहत होगा बारहवां क्वालिटी मार्क अवाड्र्स 2023

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

क्वालिटी मार्क ट्रस्ट द्वारा आयोजित 'क्वालिटी मार्क अवाड्र्स' इस साल बारहवां संस्करण है, क्वालिटी मार्क ट्रस्ट मेक इन इंडिया की अवधारणा के तहत उन उध्यमियो को सम्मानित करता है जो उद्योग में अपने उत्पादों और सेवाओं के लिए अपनी पहचान बनाता है। क्वालिटी मार्क ट्रस्ट उन लोगो को प्रोत्साहित करना चाहते है जिनके उत्कृष्ट ज्ञान, विचार और अविष्मरनिय योगदानो ने देश को आगे बढने मे योगदान दिया है।

छोटे और मध्यम उद्योग राष्ट्र के इंजिन की तरह महत्व का किरदार निभा रहे है, जो की औधोगिक उत्पादन, निकास के साथ रोजगार निर्माण मे अपना हिस्सा देते हे, और देश के उच्च आर्थिक विकास को हासिल करने के लिए भी मदद करता है। क्वालिटी मार्क अवाड्र्स उद्योग की विश्वसनीयता का प्रमाण है। उद्योगों के लिए बहोत रेंकिंग और पुरस्कार है पर कोई भी संस्था की प्रतिबद्धता के लिए वो ही उद्योग की श्रेष्ठता अंतिम शब्द और अंतिम प्रमाणपत्र गिना जाता है।

16 जुलाइ 2023 को डबल ट्री बाय हिल्टन अहमदाबाद में क्वालिटी मार्क अवाड्र्स 2023 के कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा जिस में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री, बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय मंत्री श्री शांतनु ठाकुर, विशिष्ट अतिथिगण के रूप में गुजरात राज्य के कैबिनेट उद्योग मंत्री श्री बलवंत सिह राजपुत और राज्य उद्योग मंत्री श्री जगदीश पंचाल तथा सन्मानीय अतीथी के रुप में अहमदाबाद शहर के मेयर श्री किरिटभाइ परमार, इफ्फ्को के चेर परसन श्री दिलिप संघाणी, एम.एल.ए. श्री जितुभाइ वाघाणी उपस्थित रहेंगे। बॉलीवुड से खास मिस्टर गुलशन ग्रोवर इस कार्यक्रम मे मौजूद रहेंगे।

संस्था के अध्यक्ष श्री हेतलभाई ठक्कर के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि 'क्वालिटी मार्क अवाड्र्स' के पिछले ग्याराह कार्यक्रमों में चारसो से ज्यादॉ उद्यमियों को सराहा है और इस वर्ष भारत के 16 राज्यों के 600 से अधिक उद्यमियों ने 'क्वालिटी मार्क अवाड्र्स' में भाग लिया है। उद्योग के अलावा, महिला उद्यमियों और सेवा उद्योग से जुड़े व्यक्तियों ने भी 'क्वालिटी मार्क अवाड्र्स' में भाग लिया है, जिसमें से 35 उद्यमियों को सम्मानित किया जाएगा।

47 प्रतिशत भारतीय आकर्षक डील्स के लिए अपना यात्रा कार्यक्रम बदलने को हैं तैयार-स्काईस्कैनर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

ग्लोबल ट्रैवल मार्केटप्लेस स्काईस्कैनर ने अपनी ट्रैवल इन फोकस रिपोर्ट जारी की इस रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत में बजट के लिए जागरुक यात्री ज्यादा किफायती जगहों पर जाने के लिए खुले दिल से यात्रा कर रहे हैं स्काईस्कैनर के प्रोप्रायटरी सर्च एवं बुकिंग डेटा और कंज़्यूमर व्यवहार के अध्ययन के साथ इस रिपोर्ट में भारत में यात्रा के लिए लोगों के रूझान का खुलासा किया गया है। इन खुलासों के बारे में मोहित जोशी, स्काईस्कैनर ट्रैवल ट्रेंड्स एंड डेस्टिनेशन एक्सपर्ट ने कहा पिछले कुछ सालों में हमारे द्वारा यात्रा करने के तरीके में परिवर्तन आ गया है, लेकिन छुट्टियों पर जाने की इच्छा अभी भी बहुत ज्यादा है। स्काईस्कैनर ने यात्रियों को अपने बजट में दुनिया घूमना संभव बना दिया है। यह अपने प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग जगहों की तुलना और मूल्यों में पारदर्शिता प्रदान करता है। अच्छी जगह तलाषने का एक आसान तरीका है कि सर्च टूल में 'हर जगह' डाल दिया जाए, जिसके बाद यात्री के स्थान के आधार पर जगहों का परामर्ष दिया जाता है, और मूल्य के आधार पर उनकी सूची सामने आ जाती है। इस तरह से आप किफायती जगहों को आसानी से खोज सकेंगे।'' इस रिपोर्ट में सामने आया कि भारतीय जागरुक यात्री (47 प्रतिशत) हैं, जो यात्रा की बेहतर डील्स के लिए अपने यात्रा कार्यक्रम को बदलने के लिए तैयार हैं। अंतर्राष्ट्रीय छुट्टियों के मामले में भारतीय (35 प्रतिशत) ऐसे स्थान पर जाना पसंद करते हैं, जो कम महंगा हो या फिर साल में किसी और समय पर (33 प्रतिशत) यात्रा करना पसंद करते हैं। इसके अलावा भारतीय यात्री अच्छे प्लानर होते हैं, जिनमें से 72 प्रतिशत अपनी यात्रा पूरी योजना बनाकर करना पसंद करते हैं। इससे इस बात को बल मिलता है कि भारतीय छुट्टियाँ मनाने के लिए कम मूल्य में अच्छी जगह की तलाश करते हैं। सर्वे के अन्य मुख्य परिणामः चेज़िंग क्रिकेटः क्रिकेट का भारतीयों के हृदय में एक विशेष स्थान है। लगभग 75 प्रतिशत भारतीयों ने बताया कि वो लाईव क्रिकेट मैच देखने के लिए अपनी यात्रा का बजट बढ़ाने को तैयार हैं। आगामी 2023 क्रिकेट वर्ल्ड कप भारत में हो रहा है, इसलिए इस साल अक्टूबर में इसके एक मेजबान शहर, अहमदाबाद के लिए भारत में सर्च पहले से ही 46 प्रतिशत बढ़ चुकी है। मजबूत मांग के बावजूद स्काईस्कैनर पर मूल्यों से पता चलता है कि जून 2023 के लिए जून 2022 की तुलना में मुंबई से अहमदाबाद के लिए उड़ानें 36 प्रतिशत कम हैं।

स्काईस्कैनर के आँकड़ों के मुताबिक, साल 2023 के लिए रिडायरेक्ट डेटा के आधार पर घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्थानों, दोनों में 38 प्रतिशत भारतीय एक जगह की यात्रा पर 1 माह से ज्यादा समय बिताते हैं, जो सिंगापुर (3 प्रतिशत) और दक्षिण कोरिया (8 प्रतिशत) की तुलना में काफी ज्यादा है। यात्री उद्देश्य लेकर यात्रा करना पसंद करते हैं और अपनी यात्रा के अनुभवों को विषेश गतिविधियों पर केंद्रित रखते हैं। आधे से ज्यादा भारतीय (55 प्रतिशत) भारत में उद्देष्यपूर्ण यात्रा करने की योजना बना रहे हैं ताकि वो स्कुबा डाईविंग, गोल्फ, योगा, या वैलनेस रिट्रीट का आनंद ले सकें। हर दो में से एक भारतीय अगले 6 महीनों में किसी पवित्र स्थल की यात्रा करने की योजना बना रहा है।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।